देहरादून,पौड़ी–गढ़वाल व अल्मोड़ा से प्रकाशित | www.page3news.in | नगर संस्करण वर्ष 19 अंक: 206 पृष्ठ : 8 मूल्य: एक रूपए

विचार–प्रवाह...
असमंजस क्यों

पेज श्री

देहरादून, शुक्रवार, 22 नवंबर 2024

मौसम अधिकतम 22.0° न्यूनतम 15.0°

79924.77

2 इजरायल–हमास की जारी रहेगी जंग

7 टेस्ट क्रिकेट को बदल डाला

अदाणी को तुरंत गिरफ्तार किया जाए: राहुल गांधी

अदाणी पर अमेरिका में आरोप को लेकर भारत में सियासत गरमाई

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। अमेरिका में उद्योगपति गौतम अदाणी समेत आठ लोगों पर लगे अरबों रुपये की धोखाधड़ी के आरोपों के बाद देश में सियासत गरमा गई है। अमेरिकी अभियोजकों ने अदाणी और उनके भतीजे सागर अदाणी पर आरोप लगाया है कि उन्होंने भारतीय सरकारी अधिकारियों को रिश्वत देकर सौर उर्जा अनुबंध हासिल किए। इस कथित योजना के तहत 2020 से 2024 तक 25 करोड़ डॉलर (करीब 2236 करोड़ रुपये) की रिश्वत दी गई। गुरुवार को विपक्ष ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए मामले की संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) से जांच की मांग की।

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने यहां तक कहा कि गौतम अदाणी को तत्काल गिरफ्तार कर उनसे पूछताछ की जानी चाहिए। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की प्रेस कॉफ्रेंस में गुरुवार को अचानक बिजली गुल हो गई। इस पर भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने कांग्रेस पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि बिजली कांग्रेस के ही जयराम रमेश ने काटी होगी। पात्रा ने यह भी कहा कि बिजली चले जाने पर राहुल गांधी अदाणी और दूसरों पर आरोप लगा रहे थे। जबकि उनका ऑफिस है, उनकी बिजली है। मुझे लगता है कि उनके पीछे बैठे लोगों ने ही बिजली काटी होगी। मुझे तो जयराम रमेश पर ही शक है।

दरअसल राहुल गांधी गुरुवार को कांग्रेस कार्यालय में प्रेस कॉफ्रेंस में अदाणी समूह और मोदी सरकार पर आरोप लगा रहे थे। इस दौरान अचानक बिजली गुल हो गई। कुछ सेकेंड बाद बिजली आई तो राहुल गांधी बोले कि पता नहीं कौन सा अदाणी पावर और मोदी पावर है। हालांकि सब एक है। इस मामले के सामने आने के बाद कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला बोला और कहा कि अदाणी को तुरंत गिरफ्तार किया जाए। उन्होंने कहा कि संसद के शीतकालीन सत्र में नेता प्रतिपक्ष के रूप में वह और पूरा विपक्ष अदाणी से जुड़े मामले को उठाएगा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने यह भी कहा कि भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड की प्रमुख माधवी पुरी बुच को उनके पद से तत्काल हटाकर जांच शुरू होनी चाहिए।

विपक्ष के बयान

तृणमूल कांग्रेस की सांसद सागरिका घोष ने कहा, अमेरिका द्वारा अदाणी समूह और गौतम अदाणी पर लगाया गया आरोप बेहद गंभीर है। आरजेडी के सांसद मनोज झा ने कहा, यह अब इतना गंभीर हो गया है कि देश की एजेंसियां और प्रभावशाली लोग इस मामले पर पर्दा डालने की लाख कोशिश कर लें, यह बेनकाब हो जाएगा। माकपा ने कहा कि भाजपा की अगुवाई वाली केंद्र सरकार अब पर्दे के पीछे नहीं छुप सकती।

ये भारत पर हमला करने का राहुल का तरीका: बीजेपी

राहुल गांधी के आरोपों का जवाब देते हुए भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने बिजली गुल हो जाने पर तंज कसा। भाजपा प्रवक्ता ने कहा, राहुल गांधी के पास वही चंद नाम हैं, वही चंद तरीका है। उन्होंने उसी तरह से फिर भाजपा पर आरोप लगाया है। मुझे याद है कि राफेल को लेकर राहुल गांधी इसी तरह खड़े हुए थे। कोरोना के समय में भी वह इसी तरह प्रेस कॉन्फ्रेंस करते थे। ये राहुल गांधी का तरीका है भारत पर हमला करने का और जो स्ट्रक्चर भारत को बचाते हैं, उन पर हमला करने का। राहुल गांधी तोते की तरह एक ही शब्द बोलते रहते हैं। उनके पास तीन शब्द हैं, अदाणी, अंबानी और चोर। उनके प्रेस कॉफ्रेंस में इन्हीं शब्दों का प्रयोग होता है।

अदाणी ग्रुप ने कहा- सभी आरोप निराधार

नई दिल्ली। अरबपति कारोबारी और अदाणी ग्रुप के मालिक गौतम अदाणी पर अमेरिका में धोखाधड़ी और रिश्वत देने के आरोप लगे हैं। इसमें गौतम अदाणी के अतिरिक्त 7 अन्य लोग भी आरोपी हैं। अदाणी ग्रुप के स्टॉक के शेयर मार्केट पर भी काफी नकारात्मक असर हुआ है। अदाणी ग्रुप के ज्यादातर स्टॉक 10 से लेकर 20 फीसदी गिरावट के साथ कारोबार कर रहे हैं। इससे ओवरऑल शेयर मार्केट का सेंटिमेंट भी खराब हुआ। अदाणी ग्रुप ने धोखाधड़ी और रिश्वत के आरोपों पर बयान जारी करके सफाई दी है। ग्रुप का कहना है कि अदाणी ग्रीन के निवेशकों पर लगे सभी आरोप बेबुनियाद है।

संक्षिप्त समाचार

आ गया एक्सिस माई इंडिया का एग्जिट पोल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव के लिए मतदान संपन्न होने के एक दिन एक्सिस माई इंडिया ने अपने एग्जिट पोल के नतीजे जारी कर दिए हैं। एग्जिट पोल के आंकड़े सत्ताधारी महायुति गठबंधन को खुश कर सकते हैं तो वहीं सत्ता में वापसी की उम्मीद लगाए बैठे महा विकास अघाड़ी को निराशा हाथ लग सकती है।

केंद्र सरकार के कर्मचारियों का भी समय बदला

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने दिल्ली में वायु प्रदूषण के गंभीर स्थिति को देखते हुए बृहस्पतिवार को अपने कर्मचारियों के लिए काम के अलग–अलग समय की घोषणा की। केंद्रीय कार्मिक मंत्रालय द्वारा जारी आदेश में वाहनों से होने वाले प्रदूषण को कम करने के लिए कर्मचारियों से वाहनों में साथ आने–जाने और सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करने को भी कहा गया है। दिल्ली सरकार और एमसीडी भी अपने दफ्तरों की टाइमिंग बदल चुकी है।

बुद्ध के सिद्धांतों से निकलेगा युद्ध का समाधान: रक्षा मंत्री

राजनाथ सिंह ने विश्व को दिया शांति का संदेश

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने विभिन्न देशों के बीच बढ़ते तनाव को देखते हुए गुरुवार को कहा कि विश्व को जारी युद्धों और अंतरराष्ट्रीय क्रम की चुनौतियों के समाधान के लिए बुद्ध के सिद्धांतों को अपनाना चाहिए। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि अंतरराष्ट्रीय मुद्दों को सुलझाने के लिए भारत ने हमेशा से बातचीत का रास्ता अपनाया है और इसकी वकालत भी करता है।

लाओस दौरे पर गए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 11वें आसियान रक्षा मंत्रियों की बैठक और (एडीएमएम प्लस) में चीन के डोंग जून समेत अपने समकक्षों को संबोधित किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि विश्व का तेजी से विभिन्न क्षेत्रों और खेमों में ध्रुवीकरण हो रहा है। इससे स्थापित वर्ल्ड आर्डर में तनाव पैदा हो रहा है।

दस देशों का आसियान सम्मेलन लाओस की राजधानी वियनतियाने में आयोजित हुआ। इस कार्यक्रम में हिस्सा लेने पहुंचे रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सदस्य देशों से आग्रह किया कि हम सभी को भगवान बुद्ध के शांति और सहअस्तित्व के सिद्धांत को और गहराई से अपनाना चाहिए। इन सिद्धांतों का पालन करते हुए ही भारत ने जटिल अंतरराष्ट्रीय मुद्दों को बातचीत से सुलझाया है। भारत हमेशा से स्पष्ट बातचीत और शांतिपूर्ण समझौते के लिए प्रतिबद्ध रहा है। भारत ने सीमा विवादों से लेकर व्यापारिक समझौतों और अंतरराष्ट्रीय चुनौतियों के लिए यही रास्ता चुना है। बातचीत की ताकत हमेशा प्रभावी और सकारात्मक नतीजे देने वाली होती है।

हिंद–प्रशांत क्षेत्र पर भारत का रुख

हिंद–प्रशांत क्षेत्र पर भारत के रुख को स्पष्ट करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत आसियान के दस देशों की भूमिका को क्षेत्रीय शांति व समृद्धि के लिए अच्छी तरह समझता है। इस संबंध में भारत आचार–संहिता के निर्धारण पर ऐसे मानक देखना चाहता है जो किसी पूर्वाग्रह से वैधानिक अधिकार निर्धारित नहीं करें। उन्होंने दक्षिण चीन सागर के लिए भी आचार संहिता होने पर जोर देते हुए कहा कि इस क्षेत्र के विभिन्न देश चीन की बढ़ती सैन्य मौजूदगी के दबाव को झेल रहे हैं।

मानवता के खिलाफ अपराध और मानवता के दोषी हैं नेतन्याहू

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। गाजा और लेबनान में दो मोर्चों पर जंग लड़ रहे इजरायल को इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट (आईसीसी) ने तगड़ा झटका दिया है। अंतरराष्ट्रीय अदालत ने पीएम बेंजामिन नेतन्याहू के खिलाफ अरेस्ट वारंट जारी किया है। अदालत नेतन्याहू के खिलाफ कुछ समय से सुनवाई कर रही थी।

गुरुवार को अदालत ने अपने आदेश में कहा कि "मानवता के खिलाफ अपराध और युद्ध अपराध" के लिए नेतन्याहू और इजरायल के रक्षा मंत्री योआव गैलेंट के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया जाता है। आईसीसी का यह कदम गाजा में इजरायल के भीषण हमले के बाद कानूनी कार्यवाही का विस्तार है। आईसीसी का मानना है कि हमास को मिटाने की आड़ में इजरायली सेना निर्दोषों का भी कत्ल कर रही है और उन्हें मरने के लिए छोड़ दिया है।

इजराइल ने तर्क दिया है कि आईसीसी द्वारा किसी भी लोकतांत्रिक देश के साथ इस तरह के "पूर्वाग्रहपूर्ण तरीके" से व्यवहार नहीं किया जा सका। उनका देश कानून के शासन के प्रति प्रतिबद्ध है।

झटका

■आईसीसी ने नेतन्याहू के खिलाफ जारी किया अरेस्ट वारंट

आईसीसी ने क्या कहा

आईसीसी ने कहा कि उसने सर्वसम्मति से इजरायल की अपील को खारिज करने का फैसला किया है। इसमें कहा गया है कि वह यह मानता है कि नेतन्याहू और गैलेंट गाजा में युद्ध अपराध के दोषी हैं और उनकी वजह से लाखों निर्दोष भुखमरी के कगार पर हैं और हजारों की मौत भी हो चुकी है। आईसीसी ने कहा कि इजरायली पीएम ने गाजा के नागरिकों को ष्जानबूझकरष भोजन, पानी, दवा, चिकित्सा आपूर्ति और ईंधन एवं बिजली से वंचित रखा।

Are you Planning to make a Website or already have ?

If yes, then we are here to serve you

What we do

Website Development
All type of Websites E-Commerce, Hotel Booking, Travel, Bus Ticket Booking, News Portal, Blogs, or as per client requirement.

Promotion & Branding
1. Website Promotion & Branding in any country (200+ Countries)
2. Social Media
3. Bulk SMS

Search Engine Optimisation
A-2-Z Work to make a Website Search Engine Friendly.
You tell us, we do it.

Contact:
Gadoli Media Ventures
Shivam Market, 2nd Floor, Darshan Lal Chowk, Dehra Dun. I Mob: 9319700701, 7579011930
E-Mail: contact@gadoli.in

पाकिस्तान में फिर आतंकी हमला

■ यात्रियों से भरी गाड़ियों पर गोलीबारी, 50 की मौत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में कुछ आतंकियों ने यात्री वाहनों के ऊपर हमला करके 38 लोगों को मौत के घाट उतार दिया है। प्रांत के मुख्य सचिव नदीम असलम चौधरी ने बताया कि बंदूकधारियों ने गुरुवार को उत्तर–पश्चिमी पाकिस्तान के एक आदिवासी इलाके में यात्री वाहनों पर गोलीबारी की, जिसमें कम से कम 50 लोग मारे गए और 20 घायल हो गए।

हमले को लेकर स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि यात्रियों से भरे हुए तीन वाहन पाराचिनार से खैबर पख्तूनख्वा की राजधानी पेशावर की ओर आ रहे थे, तभी रास्ते में घात लगाकर बैठे आतंकियों ने उन पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। केपीके के कुर्रम आदिवासी इलाके में हुए इस हमले में छह महिलाओं और तीन बच्चों समेत 50 लोगों की मौत हो गई और 20 अन्य घायल हो गए। असलम चौधरी ने बताया कि इस घटना के दौरान गाड़ियों में बहुत लोग सवार थे, घायल हुए 29 लोगों की हालत नाजुक बनी हुई है। मरने वालों की संख्या अभी बढ़ भी सकती है।

न्यूज डायरी

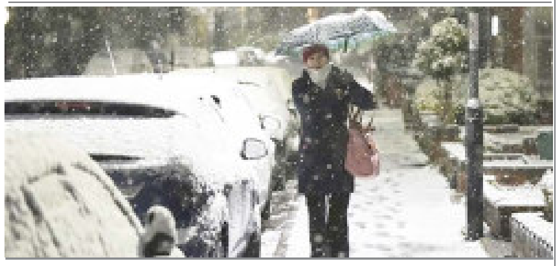

ब्रिटेन में हिमपात, आज तक नहीं देखी होगी ऐसी बर्फबारी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। ब्रिटेन में पिछले कई दिनों से लगातार बर्फबारी जारी है। बर्फबारी के कारण एक तरफ जहां मौसम खुशगवार हो गया है, वहीं दूसरी तरफ जन–जीवन भी प्रभावित हुआ है।

तेज बर्फबारी के चलते स्कूल बंद हो गए, ट्रेनें देरी से चल रही हैं, सड़कों पर ड्राइविंग भी मुश्किल हो गई है। इसके साथ ही बुजुर्गों और बच्चों को सुरक्षित रहने की अपील की गई है। मौसम विभाग ने उत्तरी स्कॉटलैंड, उत्तरी आयरलैंड, मध्य और दक्षिणी वेल्स और स्कॉटिश बॉर्डर से लेकर नॉरफॉक तक पूर्वी काउंटियों में बर्फबारी के लिए येलो अलर्ट जारी कर दिया है। इसके साथ ही मौसम विभाग ने इस सप्ताह संभावित खतरों की चेतावनी दी है। मौसम विभाग ने बताया कि कई इलाकों में 5 इंच से ज्यादा की बर्फबारी हुई है। घरों, सड़कों और गाड़ियों पर बर्फ की मोटी चादर बिछ गई है। मौसम विभाग ने मिडलैंड्स और दक्षिणी इंग्लैंड के लिए भी येलो अलर्ट जारी किया है। लोगों से घरों से बाहर ना निकलने की अपील की है। इससे पहले मौसम विभाग ने उत्तरी इंग्लैंड और मिडलैंड्स के लिए चेतावनी दी गई थी। हालांकि, अलर्ट के दायरे में नहीं आने वाले क्षेत्रों में भी बर्फबारी हुई, जिसमें सेंट्रल लंदन भी शामिल है।

मौसम विज्ञानियों ने कहा कि आर्कटिक समुद्री वायु द्रव्यमान के कारण लगातार बर्फबारी हो रही है। पूरे सप्ताह ब्रिटेन के कई क्षेत्रों में बहुत ठंड रहेगी।

अमेरिका तक परमाणु हमला कर सकती है रूस की यह मिसाइल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) मॉस्को। यूक्रेन के खिलाफ रूस बड़े हमले की तैयारी कर रहा है। इस हमले में रूस अपनी अंतरमहाद्वीपीय (इंटरकॉन्टिनेंटल) मिसाइल आरएस–26 रूबेज को लॉन्च कर सकता है। अमेरिकी दूतावास ने हाल ही में यूक्रेन के ऊपर संभावित गंभीर हमलों के बारे में चेतावनी जारी की थी, जिसने रूस के कथित तौर पर आरएस–26 रूबेज को लॉन्च करने की अटकलों के बारे में हवा दी है। रूस की यह मिसाइल अमेरिका तक हमला करने में सक्षम और पारंपरिक के साथ ही परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम है। रूबेज के संभावित लॉन्च के बारे यूक्रेन से जुड़े टेलीग्राम चौनलों पर रिपोर्ट किया गया है, जिसमें सुझाव दिया गया कि रूस इस अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल का उपयोग परमाणु हथियार के बिना कर सकता है। सूत्रों का दावा है कि प्रक्षेपण आस्त्राखान क्षेत्र में कापुस्तिन यार परीक्षण रेंज से हो सकता है। हालांकि, इन दावों का कोई सबूत नहीं था। अभी तक मॉस्को ने आरएस–26 रूबेज को लेकर अपनी योजनाओं के बारे में कोई जानकारी नहीं दी है। इस बीच बुधवार को यूक्रेन में संभावित महत्वपूर्ण हवाई हमले की आशंका के कारण कीव में अमेरिकी दूतावास का संचालन बंद कर दिया गया है। अमेरिकी मिशन ने इस बारे में जानकारी दी है। विश्लेषकों का अनुमान है कि आरएस–26 को यूक्रेन के अमेरिकी ATACMS मिसाइलों के हमलों के जवाब में तैनात किया जा सकता है। अमेरिका ने हाल ही में यूक्रेन को इन मिसाइलों के इस्तेमाल की मंजूरी दी थी, जिसके बाद यूक्रेनी सेना ने पहली बार उपयोग किया है।

इजरायली महिला इन्फ्लूएंसर ने बिना कपड़ों के आसमान से लगाई छलांग

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) तेल अवीव। इजरायल की 27 साल की इन्फ्लूएंसर मैरी प्राग्निन के लिए स्काई डाइविंग सिर्फ खेल नहीं है, बल्कि जिंदगी जीने का एक तरीका है। अब उन्होंने हवा में उड़ते हुए ऐसा कारनामा किया है, जिसके वीडियो ने सोशल मीडिया पर आग लगा दी है। मैरी ने बिना कपड़ों के स्काईडाइविंग करते हुए खुले आसमान में उड़ान भरी हैं। कभी अपने डर को काबू पाने के लिए स्काईडाइविंग शुरू करने वाली मैरी प्राग्निन ने बिना कपड़ों के स्काई डाइविंग के अपने अनुभव पर बात की है। इजरायली मीडिया आउटलेट वाईनेट की रिपोर्ट के अनुसार, मैरी ने कहा कि हवा में उड़ना और नीचे का अद्भुत दृश्य देखना बहुत की शक्तिशाली अहसास है। यह किसी और चीज से अलग है। मैरी प्राग्निन ने आगे बताया कि हर छलांग उन्हें अपने डर का सामना करने और अपने बारे में नई चीजें खोजने की चुनौती देती है। अपनी पहली स्काईडाइविंग को याद करते हुए मैरी ने बताया कि कोर्स के पहले दिन जब उन्होंने विमान के किनारे से छलांग लगाई तो सब कुछ बदल गया। उन्होंने कहा, उसके बाद से मेरी जिंदगी पहले जैसी नहीं रही और मैं जंप जारी रखना चाहती हूं।

हद हो गई, पीएम मोदी का नाम लेकर कनाडा ने उगला जहर

रिपोर्ट

निज्जर हत्याकांड को लेकर कनाडाई रिपोर्ट को लेकर भारत ने जताई आपत्ति

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने इसे बदनाम करने वाला अभियान बताया

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। भारत ने कनाडा की एक मीडिया रिपोर्ट को बदनाम करने वाला अभियान करार देते हुए इसकी कड़ी निंदा की, जिसमें दावा किया गया है कि भारतीय प्रधानमंत्री को सिख आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या की कथित साजिश के बारे में पता था। एक अनाम अधिकारी के हवाले से यह रिपोर्ट प्रकाशित की गई है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि इस तरह के हास्यास्पद बयानों को उसी अवमानना के साथ खारिज किया जाना चाहिए, जिसके वे हकदार हैं। उन्होंने कहा, इस तरह का बदनाम करने वाला अभियान हमारे पहले से ही तनावपूर्ण संबंधों को और नुकसान पहुंचाता है। जायसवाल कनाडाई अखबार द ग्लोब एंड मेल में छपी रिपोर्ट के बारे में मीडिया के सवालों का जवाब दे रहे थे।

रिपोर्ट में एक वरिष्ठ राष्ट्रीय सुरक्षा अधिकारी से मिली जानकारी का हवाला दिया है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार और विदेश मंत्री भी इस साजिश के बारे में जानते थे। पिछले महीने कनाडा द्वारा भारतीय उच्चायुक्त संजय वर्मा और कुछ अन्य राजनयिकों को हत्या के आरोपों से जोड़ने के बाद भारत–कनाडा संबंधों में खटास आ गई थी। भारत ने इस मामले में कनाडा द्वारा लगाए गए सभी आरोपों को दृढ़ता से खारिज कर दिया और बाद में उच्चायुक्त को वापस बुला लिया है। कनाडा के आरोपों के बाद भारत ने कनाडा के प्रभारी राजदूत स्टीवर्ट व्हीलर और पांच अन्य राजनयिकों को निष्कासित कर दिया।

पिछले साल 2023 के जून में एक सिख मंदिर के बाहर काले कपड़े पहने दो बंदूकधारियों ने उसकी गोली मारकर हत्या कर दी। हालांकि, अभी तक इस बात का खुलासा नहीं हो पाया है कि निज्जर की हत्या किसने की है।

कनाडा लगातार भारत पर इसे लेकर आरोप लगाता रहा है। कनाडा का दावा है कि आतंकी की हत्या में भारतीय अधिकारियों का हाथ है। भारत ने शुरू से निज्जर की हत्या में किसी भी तरह की संलिप्तता से इनकार किया है। साथ ही पीएम जस्टिन ट्रूडो के आरोपों को भी बेतुका बताया है।

निज्जर, पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के लिए काम करता था। भारत ने कई बार निज्जर के प्रत्यर्पण की मांग की थी, लेकिन कनाडा ने न सिर्फ शरण दी, बल्कि नागरिकता भी दी।

प सिंह निज्जर का जन्म पंजाब के जालंधर जिले में हुआ था। युवा अवस्था के दौरान 1997 में वह कनाडा चला गया था। इसके बाद उसने वहां शादी कर ली। कनाडा में वह प्लंबर का काम करता था।

इजरायल–हमास के बीच जारी रहेगी जंग

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में बुधवार को गाजा में संघर्ष विराम को लेकर एक प्रस्ताव लाया गया, लेकिन यह पारित नहीं हो सका। क्योंकि अमेरिका ने इस पर वीटो लगा दिया। इस तरह बाइडन प्रशासन ने एक बार फिर उस अंतरराष्ट्रीय प्रयास को रोक दिया, जिसका लक्ष्य गाजा में 13 महीने से जारी इजरायल–हमास संघर्ष को रोकना था।

15 सदस्यीय सुरक्षा परिषद के दस अस्थायी सदस्यों की ओर से इस प्रस्ताव को आगे बढ़ाया गया था। इसमें तत्काल, बिना शर्त और स्थायी संघर्ष विराम की अपील की गई थी। बंधकों की रिहाई को लेकर अलग से मांग की गई थी। परिषद के पांच स्थायी सदस्यों में से केवल अमेरिका ने प्रस्ताव पर वीटो लगाया। संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका के उप राजदूत राबर्ट वुड ने कहा कि वाशिंगटन यह स्पष्ट कर चुका है कि वह केवल उस प्रस्ताव का समर्थन करेगा, जिसमें संघर्ष विराम के तहत बंधकों की तत्काल रिहाई की बात कही गई हो। बता दें कि सात अक्टूबर, 2023 को हमास ने इजरायल में बड़े पैमान पर हमला किया था। इसमें करीब 1200 लोग मारे गए थे और 250 से ज्यादा लोगों को अगवा कर लिया गया था। तब से इजरायल ने गाजा में हमास के खिलाफ सैन्य अभियान छेड़ रखा है।

पीएम मोदी डोमिनिका के सर्वोच्च राष्ट्रीय सम्मान से सम्मानित

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) जॉर्जटाउन। डोमिनिका ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को कोरोना महामारी के दौरान कैरेबियाई राष्ट्र में उनके योगदान और भारत और डोमिनिका के बीच द्विपक्षीय साझेदारी को बढ़ाने के समर्पण के लिए अपना शीर्ष पुरस्कार प्रदान किया है। इन दिनों पीएम मोदी तीन देशों की यात्रा के अंतिम चरण में गुयाना में हैं। प्रधानमंत्री मोदी को यहां भारत–कैरीकॉम शिखर सम्मेलन के दौरान डोमिनिका के राष्ट्रपति सिल्वेनी बर्टन द्वारा ड्योमिनिका अवार्ड ऑफ ऑनरश् से सम्मानित किया गया। इस दौरान डोमिनिका के सर्वोच्च राष्ट्रीय सम्मान से सम्मानित होने के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि यह सम्मान केवल मेरा नहीं बल्कि भारत के 140 करोड़ लोगों का, उनके संस्कार और उनकी परंपरा का है। हम दो लोकतंत्र हैं और हम दोनों पूरे विश्व के लिए महिला सशक्तिकरण के रोल मॉडल हैं।

जलवायु परिवर्तन के खिलाफ लड़ाई में बेहतर प्रदर्शन कर रहा भारत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

भारत ने अमीर देशों से समर्थन बढ़ाने का किया आग्रह

बाकू। संयुक्त राष्ट्र जलवायु सम्मेलन में जलवायु परिवर्तन प्रदर्शन सूचकांक (सीसीपीआइ 2025) रिपोर्ट जारी की गई। 60 से अधिक देशों की सूची में भारत दो स्थान नीचे खिसककर 10वें स्थान पर पहुंच गया है, लेकिन रिपोर्ट में जलवायु परिवर्तन के खिलाफ लड़ाई में भारत के बेहतरीन प्रदर्शन की प्रशंसा की गई है। कहा गया है कि भारत दुनिया का सबसे अधिक आबादी वाला देश है, लेकिन यहां प्रति व्यक्ति उत्सर्जन और ऊर्जा का उपयोग अपेक्षाकृत कम है।

रिपोर्ट में पहला तीन स्थान खाली है। चौथे स्थान पर डेनमार्क और उसके बाद नीदरलैंड है। दो सबसे बड़े उत्सर्जक चीन और अमेरिका क्रमशः 55वें और 57वें स्थान पर बहुत नीचे बने हुए हैं। सीसीपीआइ उत्सर्जन, नवीकरणीय ऊर्जा और जलवायु नीति के मामले में दुनिया के सबसे बड़े उत्सर्जकों की प्रगति पर नजर रखता है। यूरोपीय संघ सहित 63 देश 90 प्रतिशत वैश्विक उत्सर्जन के लिए जिम्मेदार हैं। रिपोर्ट में भारत इस वर्ष 10वें स्थान पर है और सर्वोच्च प्रदर्शन करने वालों में से एक है।

यह देखते हुए कि भारत की जलवायु नीति में महत्वपूर्ण बदलाव की संभावना नहीं है, रिपोर्ट में कहा गया है कि उद्योग की बढ़ती ऊर्जा मांग और बढ़ती आबादी के कारण जलवायु कार्रवाई के लिए विकास–उन्मुख दृष्टिकोण जारी रहने या तेज होने की उम्मीद है।

भारत में प्रति व्यक्ति उत्सर्जन 2.9 टन कार्बन डाइआक्साइड समतुल्य पर बना हुआ है, जो वैश्विक औसत 6.6 टीसीओटूई से काफी कम है। कार्बन डाइआक्साइड समतुल्य माप की एक इकाई है, जिसका उपयोग विभिन्न ग्रीनहाउस गैसों के जलवायु प्रभावों को मानकीकृत करने के लिए किया जाता है। भारत ने विकसित देशों से विकासशील देशों में जलवायु अनुकूलन के लिए अपना समर्थन बढ़ाने का आह्वान किया है। साथ ही कहा है कि चरम मौसम की घटनाओं की बढ़ती आवृत्ति और तीव्रता, विशेष रूप से गरीब देशों में लोगों के अस्तित्व को खतरे में डाल रही है।

सऊदी अरब ने चलाया डंडा तो पाकिस्तान आया लाइन पर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

इस्लामाबाद। सऊदी अरब में पाकिस्तानी भिखारियों को लेकर रियाद की नाराजगी के बाद अब पाकिस्तान की अक्ल ठिकाने आ गई है। शहबाज शरीफ सरकार ने सऊदी अधिकारियों को भरोसा दिलाया है कि पाकिस्तान से सऊदी अरब में भिखारियों को भेजने वाले नेटवर्क को खत्म करने के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएंगे। बुधवार को पाकिस्तान के गृह मंत्री मोहसिन नकवी और सऊदी अरब के उप आंतरिक मंत्री नासिर बिन अब्दुलअजीज अल–दाउद के बीच बैठक हुई, जिसमें भिखारी गिरोह को खत्म करने पर चर्चा की गई। भिखारियों के नेटवर्क को तोड़ने की पाकिस्तान के प्रयासों के बारे में बताते हुए नकवी ने सऊदी उपमंत्री से कहा कि इस मामले में इस्लामाबाद जीरो टॉलरेंस नीति अपना रहा है।

Page Three

Classified

Adds can be booked under these Categories : (all day publication)

Recruitment
Property
Business Opportunity
Vehicles
Announcements
Antiques & Collectables
Barter
Books
Computers
Domain Names
Education
Miscellaneous
Entertainment & Event
Hobbies & Interests
Services
Jewellery & Watches
Music
Obituary
Pets & Animals
Retail
Sales & Bargains
Health & Sports
Travel

Matrimonial (Sunday Only)

अब मात्र रु. 20 प्रति शब्द

स्ट्रांग रूम में तीन लेयर सुरक्षा व्यवस्था तीसरी आंख की भी रहेगी निगरानी

कड़ी सुरक्षा

सामान्य प्रेक्षक विनोद शेषन की निगरानी में स्ट्रांग रूम किया गया है सील

संवाददाता

रुद्रप्रयाग। 07–केदारनाथ विधान सभा उप निर्वाचन कुशलतापूर्वक एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कर लिया गया है। जिसमें 173 पोलिंग बूथ बनाए गए थे तथा मतदान संपन्न कराने के उपरांत सभी पोलिंग पार्टियां सकुशल पहुंच चुकी हैं तथा निर्वाचन सामग्री एवं ईवीएम मशीनों को स्ट्रांग रूम में कड़ी सुरक्षा में रखा गया है। जिसमें 166 पोलिंग पार्टियां देर सायं तक ही लौट गई थी तथा दूरस्थ क्षेत्र की 07 पोलिंग पार्टियां वापस लौटी हैं तथा अंतिम पहुंचने वाली पोलिंग पार्टी तोषी पोलिंग बूथ की थी जो लगभग 12:15 बजे अगस्त्यमुनि क्रीड़ा मैदान में पहुंची।

ईवीएम मशीनों को स्ट्रांग रूम में रखा गया है तथा स्ट्रांग रूम को भारत निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त सामान्य प्रेक्षक विनोद शेषन की निगरानी में स्ट्रांग रूम सील किया गया। इस अवसर पर जिला निर्वाचन अधिकारी सौरभ गहरवार, पुलिस अधीक्षक अक्षय प्रह्लाद कौंडे, रिटर्निंग अधिकारी अनिल कुमार शुक्ला सहित भाजपा एवं कांग्रेस प्रत्याशियों के अभिकर्ता मौजूद रहे।

जिला निर्वाचन अधिकारी सौरभ गहरवार ने कहा कि 07–केदारनाथ विधान सभा उप निर्वाचन सफलता पूर्वक एवं निष्पक्ष ढंग से संपादित किया गया है तथा सभी पोलिंग पार्टियां सकुशल वापस पहुंच गई हैं तथा ईवीएम मशीनों को कड़ी सुरक्षा के बीच में स्ट्रांग रूम में रखा गया है तथा प्रेक्षक की उपस्थिति में स्ट्रांग रूम सील किया गया है। उन्होंने निर्वाचन कार्य में तैनात सभी जोनल, सेक्टर, नोडल, पीठासीन अधिकारियों, मतदान अधिकारी प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं अर्द्धसैनिक बलों, पुलिस जवानों, परिवहन विभाग, खाद्य विभाग सभी का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए सभी का आभार किया।

उन्होंने कहा कि सभी ने अपने दायित्वों का निर्वहन कुशलता के साथ किया जो बधाई के पात्र हैं। इसके साथ ही उन्होंने केदारनाथ विधान सभा के मतदाताओं का भी आभार व्यक्त किया जिन्होंने बढ़चढकर अपने मताधिकार का प्रयोग किया। उन्होंने यह भी कहा कि 23 नवंबर को होने वाली मतगणना के लिए सभी तैयारियां एवं व्यवस्थाएं कर ली गई हैं तथा मतगणना कार्मिकों की तैनाती कर दी गई है तथा मतगणना हेतु 14 टेबिल लगाई जाएंगी जिसके लिए चाक–चौबंद व्यवस्था की जा रही है।

पुलिस अधीक्षक अक्षय प्रह्लाद कौंडे ने बताया कि केदारनाथ विधान सभा उप निर्वाचन शांतिपूर्ण ढंग से संपादित कर लिया गया है तथा ईवीएम मशीनों को स्ट्रांग रूम में सुरक्षित रखा गया है जिसके लिए तीन लेयर सुरक्षा व्यवस्था तैनात की गई जिसमें आईटीबीपी, अर्द्धसैनिक बल एवं पुलिस के जवान के साथ ही सीसीटीवी कैमरे के माध्यम से भी सुरक्षा पर कड़ी निगरानी रहेगी। 07–केदारनाथ उप निर्वाचन में कुल 57.64 प्रतिशत मतदान हुआ है। जिसमें कुल मतदाताओं की संख्या 90 हजार, 875 मतदाता थे जिनमें 45 हजार 956 महिला मतदाता तथा 44 हजार 919 पुरुष मतदाता शामिल हैं।

न्यूज डायरी

अधिभार जमा न करने पर विदेशी मदिरा की 05 दुकानों के लाइसेंस डीएम ने किए निरस्त

संवाददाता चमोली। चमोली जिले में संचालित विदेशी मदिरा की 05 दुकानों से समय पर अधिभार जमा न कराने पर जिलाधिकारी संदीप तिवारी ने दुकानों के लाइसेंस निरस्त कर दिए है। इसमें गोपेश्वर, गैरसैंण, ग्वालदम, नंदप्रयाग और थराली में संचालित दुकानें शामिल है। जिलाधिकारी ने संबंधित दुकान संचालकों को अधिभार का बकाया धनराशि को 07 दिवस के भीतर राजकोष में जमा करने के आदेश भी जारी किए है। अवशेष राजस्व एवं पुर्नव्यवस्थापना के उपरांत राजस्व की यदि कोई क्षति होती है तो उक्त बकाया राजस्व के साथ साथ राजस्व क्षति की भी वसूली भू–राजस्व की भांति किए जाने हेतु वसूली प्रमाण पत्र निर्गत किया जाएगा। आबकारी विभाग ने पूर्व में अनुज्ञापियों को नोटिस भेजकर अधिभार जमा करने के लिए कहा था। अधिभार जमा नहीं होने पर डीएम ने पांचो दुकानों के लाइसेंस निरस्त कर दिए हैं।

मोग्लिक्स ने खटेमा फाइबर्स के अधिग्रहण के साथ बनाया उद्योगों को और सशक्त

संवाददाता देहरादून। प्रमुख भारतीय बी2बी कॉमर्स प्लेटफॉर्म मोग्लिक्स ने खटेमा फाइबर्स के अधिग्रहण की घोषणा की है। उत्तराखंड के खटीमा में स्थित खटेमा फाइबर्स पर्यावरण के अनुकूल कागज की एक प्रसिद्ध निर्माता कंपनी है। इस अधिग्रहण के साथ ही उत्तराखंड में मोग्लिक्स के पहले उद्यम की शुरुआत हो गई है। इस तरह मोग्लिक्स ने उत्तराखंड राज्य के औद्योगिक परिदृश्य और आर्थिक प्रगति को सपोर्ट करने की अपनी व्यापक प्रतिबद्धता को एक बार फिर रेखांकित किया है। इस अधिग्रहण पर टिप्पणी करते हुए, मोग्लिक्स के फाउंडर और सीईओ राहुल गर्ग ने कहा कि हमें खटेमा फाइबर्स का मोग्लिक्स परिवार में स्वागत करते हुए खुशी हो रही है। यह कदम बाजार की उभरती जरूरतों को पूरा करने की हमारी क्षमता को भी मजबूत करता है।

डेटॉल बनेगा स्वस्थ इंडिया के तहत वर्ल्ड टॉयलेट डे का आयोजन

संवाददाता हरिद्वार। दुनिया की अग्रणी कंज्यूमर हेल्थ और हाईजीन कंपनी, रेकिट ने जागरण पहल, ग्रामालय, एजेवाईएस और सेसमे वर्कशॉप इंडिया सहित 100 भागीदारों के साथ मिलकर, अपने प्रमुख अभियान डेटॉल बनेगा स्वस्थ इंडिया के तहत वर्ल्ड टॉयलेट डे का आयोजन किया। इस आयोजन में भारत के पहले स्वदेशी मपेट्स, केके कीटाणु और नीला जादूगर को आयुष्मान खुराना द्वारा पेश किया गया, जो बच्चों को एनिमेटेड वीडियो और कॉमिक बुक्स सहित मजेदार और आकर्षक ढंग से साफ–सफाई और स्वच्छता के बारे में शिक्षित करने के अभियान का एक हिस्सा हैं। इस वर्ल्ड टॉयलेट डे पर हमने स्वच्छ भारत मिशन की सफलता का जश्न मनाया।

निर्वाचन प्रक्रिया सफल कराने में परिवहन एवं खाद्यान्न विभाग की रही महत्वपूर्ण भूमिका

संवाददाता रुद्रप्रयाग। नोडल अधिकारी परिवहन संगीता भट्ट ने अवगत कराया है कि 07–केदारनाथ विधान सभा उप निर्वाचन में जिला निर्वाचन अधिकारी के निर्देशन में 450 छोटे–बड़े वाहन अधिग्रहण किए गए हैं जो विभिन्न विभागीय अधिकारियों तथा निर्वाचन कार्य में उपयोग में लाए गए तथा 205 छोटे–बड़े वाहनों में जीपीएस का उपयोग किया गया है। इसके साथ ही 184 वाहन निर्वाचन पोलिंग पार्टियों को उपलब्ध कराए गए तथा 30 छोटे–बड़े ट्रक भी निर्वाचन कार्य में लगाए गए हैं।

नोडल अधिकारी खानपान केएस कोहली ने अवगत कराया है कि जिला निर्वाचन अधिकारी के निर्देशन में निर्वाचन कार्य में तैनात किए गए अधिकारियों एवं सभी कार्मिकों को समय–समय पर आयोजित प्रशिक्षण एवं निर्वाचन कार्य में लगे अधिकारियों एवं कार्मिकों को उचित जलपान एवं भोजन की भी व्यवस्था उपलब्ध कराई गई।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी जीएस खाती, अपर जिलाधिकारी श्याम सिंह राणा, रिटर्निंग अधिकारी 07–केदारनाथ अनिल कुमार शुक्ला, उप जिलाधिकारी रुद्रप्रयाग आशीष घिल्डियाल, मुख्य शिक्षा अधिकारी प्रमेंद्र बिष्ट, जिला कार्यक्रम अधिकारी अखिलेश मिश्रा, अधिशासी अभियंता ग्रामीण मीनल गुलाटी, सिंचाई खुशवंत सिंह चौहान, होम्योपैथिक अधिकारी दीपा बिष्ट, खंड विकास अधिकारी अगस्त्यमुनि प्रवीण भट्ट, भाजपा प्रत्याशी के अभिकर्ता श्रीनंद जमलोकी, कांग्रेस प्रत्याशी के अभिकर्ता हरीश गुसांई सहित संबंधित अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

खेल मैदान हवालबाग में किया गया प्रतियोगिताओं का आयोजन

संवाददाता अल्मोड़ा। प्रभारी जिला युवा कल्याण एवं प्रान्तीय रक्षक दल अधिकारी अल्मोड़ा सोनू कुमार द्वारा अवगत कराया गया कि गुरूवार को खेल महाकुम्भ–2024 के अन्तर्गत जनपद स्तरीय आयु वर्ग अन्डर–14 बालिका वर्ग की कबड्डी, बालीवाल व खो–खो प्रतियोगिताओं का आयोजन खेल मैदान हवालबाग में किया गया। उक्त प्रतियोगिताओं में आयु वर्ग अन्डर–14 बालिका कबड्डी में सल्ट प्रथम, भिकियासैंण द्वितीय व धौलादेवी तृतीय स्थान पर रहा। बालीवाल में भिकियासैंण प्रथम, द्वाराहाट द्वितीय व भैंसियाछाना तृतीय स्थान पर रहे तथा खो–खो प्रतियोगिता में भैंसियाछाना प्रथम, स्याल्दे द्वितीय व ताकुला तृतीय स्थान पर रहा।

600 काश्तकार मत्स्य पालन कर मजबूत कर रहे अपनी आजीविका

■ स्थानीय बाजार के साथ राज्य के बाहरी बाजारों में भी बढ़ रही ट्राउड मछली की मांग

संवाददाता

चमोली। चमोली जिले में 6 सौ से अधिक काश्तकार मत्स्य पालन के जरिये अपनी आजीविका को मजबूत कर रहे हैं। जिले में काश्तकार ट्राउड के साथ कार्प और पंगास मछली का उत्पादन कर बेहतर आय अर्जित कर रहे हैं। जिससे जनपद के काश्तकारों को घर पर रोजगार मिलने से पलायन पर भी प्रभावी रोक लग रही है। चमोली जिले में मत्स्य पालन विभाग की ओर से प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना और राज्य सेक्टर से संचालित योजनाओं के माध्यम से काश्तकारों को मत्स्य पालन से जोड़ा जा रहा है। जिसे बेहतर परिणाम सामने आने लगे हैं। जिले में कुल 8 मत्स्यजीवी सहकारी समितियां और 6 सौ काश्तकार ट्राउड, कार्प और पंगास मछली का उत्पादन कर रहे हैं। जिसे काश्तकार की ओर से 6 से 8 सौ रुपये प्रति किलो की दर से विपणन कर लाखों की आय अर्जित कर रहे हैं।

काश्तकार कहते हैं कि कोरोना के चलते लगे लॉकडाउन में मुझे पंतनगर से जॉब छोड़कर घर लौटना पड़ा। जिसके बार मत्स्य विभाग की ओर प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना की जानकारी दी गई। जिसके बाद विभाग की ओर से मुझे फिश रेस वेज तैयार कर ट्राउड मछली पालन का प्रशिक्षण दिया गया। मेरे द्वारा बीते वर्ष मेरे द्वारा 10 कुंतल मछली का विपणन कर 4 लाख की आय अर्जित की है। मत्स्य पालन विभाग की मदद से वर्ष 2023 में मैंने अपने गांव में पंगास मछली का उत्पादन शुरू किया था। बीते वर्ष मैंने 8 कुंतल मछली का विपणन कर 3 लाख की आय अर्जित की है।

चमोली जनपद के मत्स्य प्रभारी जगदम्बा चमोली का कहना है कि चमोली जिले में 8 मत्स्यजीवी सहकारी समितियां और 6 सौ काश्तकार ट्राउड, कार्प और पंगास मछली का उत्पादन कर रहे हैं। जनपद में मत्स्य पालन स्वरोजगार के बेहतर साधन के रूप में विकसित हो रहा है। मत्स्य पालन से जहां काश्तकारों की आय मजबूत हो रही है। वहीं रोजगार के लिए होने वाले पलायन पर भी प्रभावी रोक लग रही है।

भारत–चीन युद्ध के शहीद रायचंद की मूर्ति का अनावरण

संवाददाता उत्तरकाशी। बगासू गांव के शहीद पायनीर रायचन्द असवाल को 61 वर्ष बाद मिले सम्मान के बाद गुरुवार को जिला सैनिक कल्याण अधिकारी उत्तरकाशी और खंड विकास अधिकारी नौगांव ने उनकी मूर्ति का अनावरण कर श्रद्धांजलि देकर नमन किया। 18 साल की उम्र में शहादत देने वाले पायनीर रायचन्द असवाल को स्थानीय लोगों ने याद करते हुए उनकी शहादत पर गोष्ठी आयोजित की। 61 वर्ष बाद मिले सम्मान पर लोक नृत्य किया और नौनिहालों द्वारा तिरंगे संग प्लैग मार्च निकालकर उन्हें याद किया गया। शहीद की भतीजी कुलवंती रावत ने उन पर आधारित कविता को सुनकर कार्यक्रम में पहुंचे सभी लोगों को भावविभोर कर दिया। शहीद के भतीजे शैलेन्द्र असवाल ने बताया कि 1962 के भारत–चीन युद्ध में नेफा सेक्टर पर भारत के जवानों ने वीरता के साथ सैकड़ों चीनी सैनिको को मार गिराया था।

उन पर ध्यान मत दीजिए जो आपकी पीठ पीछे बातें करते हैं। इसका सीधा सा अर्थ है आप उनसे दो कदम आगे हैं। –अज्ञात

विचार-प्रवाह देहरादून, शुक्रवार, 22 नवंबर 2024

पेज थ्री
www.page3news.in

असमंजस क्यों

माइनॉरिटी स्टेट्स का सवाल यूनिवर्सिटी प्रबंधन के विभिन्न महत्वपूर्ण पहलुओं से तो जुड़ा है ही, यहां लागू होने वाली आरक्षण व्यवस्था पर भी निर्णायक प्रभाव डालने वाला है। यूनिवर्सिटी में मुस्लिमों के लिए कितना आरक्षण रहेगा और एससी/एसटी/ओबीसी आरक्षण मिलेगा या नहीं, इस सवाल के जवाब पर निर्भर करता है।

अनुज श्रीवास्तव।।

जो यह उम्मीद कर रहे थे कि अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी के माइनॉरिटी स्टेटस को लेकर लंबे समय से चले आ रहे विवाद पर हां या ना में स्पष्ट जवाब मिल जाएगा, उन्हें सुप्रीम कोर्ट के आए फैसले से थोड़ी निराशा हो सकती है। लेकिन सर्वोच्च अदालत के फैसले की अहमियत इस मायने में है कि यह इस मसले को देखने, समझने के तरीकों में निहित कमियों पर रोशनी डालता और उन्हें दूर करता है।

इस कानूनी विवाद की जटिलता को इस तथ्य से समझा जा सकता है कि यह आधी सदी से भी ज्यादा पुराना है। इसकी शुरुआत 1967 में अजीज बाशा केस में आए सुप्रीम कोर्ट के उस फैसले से मानी जाती है जिसमें कहा गया था कि एएमयू अल्पसंख्यक संस्थान नहीं है क्योंकि यह एक कानून (अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी एक्ट 1920) के जरिए अस्तित्व में आया था। इसके बाद 1981 में सरकार ने एएमयू एक्ट में संशोधन करते हुए कहा कि इसकी स्थापना मुस्लिम समुदाय द्वारा और मुस्लिम समाज की शैक्षिक और सांस्कृतिक जागरूकता को बढ़ावा देने के मकसद से की गई थी।

1981 के संशोधन से वे भ्रम और संदेह पूरी तरह दूर नहीं हुए, जो इस विवाद के मूल में थे। इसकी झलक 2006 में तब मिली, जब इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 1981 के इस संशोधन को निरस्त करते हुए कहा कि एएमयू को अल्पसंख्यक संस्थान नहीं माना जा सकता क्योंकि सुप्रीम कोर्ट 1967 में ही अजीज बाशा केस में इसका माइनॉरिटी स्टेटस रद्द कर चुका है। इस तरह के परस्पर विरोधी कदमों से असमंजस की स्थिति बनी हुई थी।

माइनॉरिटी स्टेटस का सवाल यूनिवर्सिटी प्रबंधन के विभिन्न महत्वपूर्ण पहलुओं से तो जुड़ा है ही, यहां लागू होने वाली आरक्षण व्यवस्था पर भी निर्णायक प्रभाव डालने वाला है। यूनिवर्सिटी में मुस्लिमों के लिए कितना आरक्षण रहेगा और एससी/एसटी/ओबीसी आरक्षण मिलेगा या नहीं, यह भी इस सवाल के जवाब पर निर्भर करता है।

ऐसे में महत्वपूर्ण है कि सुप्रीम कोर्ट ने तात्कालिकता से जुड़े दबावों को दरकिनार करते हुए इस केस को इसकी समग्रता और व्यापकता में देखने का प्रयास किया। 50 साल से भी ज्यादा पुराने विवाद में हुई गलतियों के मद्देनजर सुप्रीम कोर्ट की 7 सदस्यीय बेंच ने स्वाभाविक ही यह साफ करना जरूरी समझा कि किसी संस्थान के माइनॉरिटी स्टेटस की जांच किन मानकों पर की जानी चाहिए। उम्मीद है कि इस फैसले से मिले नए मानदंडों के जरिए न केवल एएमयू बल्कि भविष्य में अन्य संस्थानों के स्टेटस पर उठने वाले सवालों को भी बेहतर ढंग से हल किया जा सकेगा।

पालन पोषण

धर्म-दर्शन

अशोक वोहरा। आ गया मन कहता है कि मेरी बेटी सुनीता को अच्छी तरह से पढ़ाई करवाना और उसे एक अच्छा ऑफिसर बनवाना। इतना कहते ही अमन इस दुनिया से विदाई ले लेता है और वह हमेशा के लिए अपनी आंखें बंद कर लेता है। यह देखकर सुधा और उसकी बेटी की हालत खराब हो जाती है वह बहुत ज्यादा रोने लगती है। क्योंकि अमन और सुधा तथा उनकी बेटी बाहर शहर में रहता था। लेकिन वह अपने काम करने के कारण गांव में ही आ गया था वही अपना कुल्फी बेचने का कारोबार किया करता था। ऐसे में अब सुनीता को यह डर सताने लगा कर हम उसका घर का रोजी रोजगार तथा पालन पोषण कैसे होगा।
सुधा सोचती रहती थी कि आगे की जिंदगी क्या होगी उसकी बेटी की पढ़ाई कैसे होगी।

...शेष कल

संपादकीय

फिसलन भरी ढलान

भारतीय नागरिकता एक फिसलन भरी ढलान पर है। यह मिट्टी के अधिकार के लोकतांत्रिक शिखर से रक्त के अधिकार के करीब आती जा रही है। सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ के फैसले से प्रमाणित असम समझौते की खूबी नागरिकता सिद्धांत की व्यापकता में प्रतिबंध का स्वाद जोड़ती है। यह निश्चित रूप से स्वागत योग्य है। वैसे भी संस्कृति का संरक्षण एक जटिल मसला है। दुनिया भर की ज्यादातर संस्कृतियां महिलाओं को समान दर्जा देने में विफल रही हैं, जबकि अधिकतर लोकतंत्र उन्हें समान अधिकार देते हैं। मनुस्मृति महिलाओं को स्वतंत्रता नहीं देती। मध्ययुगीन इस्लामी कहावत के अनुसार, वित्तीय मामलों में दो महिलाओं की गवाही एक पुरुष की गवाही के बराबर होती है। ऐसे सांस्कृतिक मानदंडों को आज की लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं में संरक्षित नहीं किया जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ ने कहा कि बांग्ला भाषियों के प्रवेश को वैध बनाने से असमिया भाषियों के अपनी संस्कृति को संरक्षित करने के अधिकार का उल्लंघन नहीं होता। सांस्कृतिक सह–अस्तित्व ही भारत की मूल विशेषता है और यह किसी विशेष संस्कृति के अधिकारों को प्रभावित नहीं करता। अब और भी अधिक प्रतिबंधात्मक सीएए की वैधता पर सुप्रीम कोर्ट की व्यवस्था का इंतजार करना होगा।

देश को नए नागरिकता कानून की जरूरत है। यह कानून इस सिद्धांत पर आधारित हो कि देश में जन्मा हर व्यक्ति भारतीय नागरिक है, चाहे उसकी पहचान कुछ भी हो।

कैसा हो कानून

टी के अरुण।।

देश के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस डी वाई चंद्रचूड़ की अगुआई वाली सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ ने नागरिकता अधिनियम की धारा 6ए की वैधता को चुनौती देने वाली याचिका खारिज करते हुए बहुमत से असम समझौते की वैधता पर मुहर लगाई। लेकिन उसने यह भी बताया कि पेचीदा राजनीतिक मसलों को हल करने के लिए अदालत के पास आना हमेशा मुनासिब नहीं होता। देश को नए नागरिकता कानून की जरूरत है। यह कानून इस सिद्धांत पर आधारित हो कि देश में जन्मा हर व्यक्ति भारतीय नागरिक है, चाहे उसकी पहचान कुछ भी हो। संविधान सभा द्वारा अपनाए गए इस सिद्धांत को 1955 के नागरिकता अधिनियम में शामिल किया गया था। लेकिन 1985, 1986, 2003 और 2019 में नागरिकता अधिनियम में किए गए संशोधन इस सिद्धांत की व्यापकता को कम करते गए।

भारत ऐसा विविधतापूर्ण देश है, जहां अलग–अलग धार्मिक, भाषाई, क्षेत्रीय और जातीय पहचान वाले लोग रहते हैं। ऐसे में नागरिकता का निर्धारण करते समय किसी भी रूप में समावेशी सिद्धांत को कमजोर करना देश का अहित कर सकता है और इसके हिंसक परिणाम भुगतने पड़ सकते हैं। समावेशी नागरिकता सामाजिक और राजनीतिक स्थिरता के लिए

जरूरी है, जो अर्थव्यवस्था के फलने–फूलने की एक अनिवार्य शर्त है।

इस संबंध में दुनिया भर में दो सिद्धांत प्रचलित हैं– 'जूस सोली' और 'जूस सैंगुइनिस'। लैटिन के इन शब्दों का क्रमशरू मतलब है 'मिट्टी का अधिकार' और 'रक्त का अधिकार'। अमेरिका पहले सिद्धांत के आधार पर अपने यहां जन्म लेने वाले किसी भी व्यक्ति को अधिकार के रूप में नागरिकता देता है। इसके विपरीत, जर्मनी दूसरे सिद्धांत के आधार पर जर्मन वंश के लोगों को जन्मसिद्ध अधिकार के रूप में नागरिकता प्रदान करता है।

जो लोग 1966 और 1971 के बीच भारत आए, उन्हें नागरिकता मिल सकती थी, लेकिन वोट देने का अधिकार नागरिकता पाने के 10 साल बाद ही मिल सकता था।

1986 में कानून में संशोधन करके कहा गया कि जन्म के आधार पर नागरिकता का अधिकार बिना शर्त नहीं है। 1 जुलाई, 1987 के बाद पैदा हुए लोगों के नागरिकता पाने के लिए उनके माता–पिता में से किसी एक का भारतीय होना जरूरी हो गया था। 2003 के संशोधन ने जन्म से नागरिकता के दायरे को और कम कर दिया। अब माता–पिता में से किसी एक का भारतीय मूल का होना पर्याप्त नहीं था। माता–पिता में से कोई भी अवैध आप्रवासी नहीं हो सकते थे।

2019 का नागरिकता संशोधन अधिनियम इसमें एक स्पष्ट धार्मिक तत्व ले आया। इसमें मुसलमानों को उन धर्मों से बाहर रखा गया, जिनके सदस्य भारत के पड़ोसी देशों में उत्पीड़न से बचने के लिए शीघ्र भारतीय नागरिकता प्राप्त कर सकते थे। भारतीय नागरिकता के दायरे को धीरे–धीरे कम करते जाना सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के अजेंडे का हिस्सा है।

अष्टयोग-4995

6		1		2	7	4
	30	4	30		30	
5	2				6	3
	32	6	39	7	31	2
1		3		4		
	31		35		33	7
7		2	6		1	

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों ओर के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 4994 का हल

2	3	1	5	6	7	4
6	26	4	34	2	34	1
1	2	7	4	5	6	3
7	35	6	36	3	28	2
4	5	3	7	1	2	6
5	31	5	35	4	33	7
3	4	2	6	7	1	5

Jagrutidaar.com, Bangalore

अपना ब्लॉग
संस्कृति का संरक्षण

मोहन। धारा 6ए की संवैधानिकता को जिन आधारों पर चुनौती दी गई, उनमें एक यह था कि बांग्लादेशी प्रवासियों को नागरिकता देना असमिया भाषी समुदाय के अपनी संस्कृति को संरक्षित करने के उस अधिकार का उल्लंघन होगा, जिसकी गारंटी संविधान में दी गई है। संघ परिवार का लक्ष्य भारत में हिंदुओं को प्राथमिकता देना और सभी गैर–हिंदुओं को दूसरे दर्जे का नागरिक बनाना है। 1985 के संशोधन ने नागरिकता अधिनियम 1955 में धारा 6। को जोड़ा। इससे 1 जनवरी 1966 से पहले बांग्लादेश से असम आने वाले सभी लोगों को बिना शर्त नागरिकता और अधिकार मिल गए, जबकि 1 जनवरी 1966 से 24 मार्च 1971 तक आने वालों को सशर्त नागरिकता के अधिकार मिले। भारतीय संविधान का अनुच्छेद 29(1) अपनी अलग भाषा, लिपि या संस्कृति रखने वाले किसी भी नागरिक समूह को उसे संरक्षित करने का अधिकार देता है।

पार्टी और बाल्टी

एआर रहमान की ट्रूप की बेस गिटारिस्ट, मोहिनी डे ने अपने पति से हुई अलग

संगीतकार एआर रहमान ने सायरा बानो से तलाक का ऐलान किया था। वहीं, अब उनके ट्रूप की बेस गिटारिस्ट मोहिनी डे ने भी कुछ घंटे बाद पति से अलग होने का फैसला किया है और लोगों को इसकी जानकारी दी है। एक इंस्टाग्राम पोस्ट में उन्होंने बताया कि वह पति मार्क हार्टसच से अपनी शादी खत्म कर रही हैं। एक इंस्टाग्राम पोस्ट में मोहिनी ने नोट शेयर कर लिखा, श्भारी मन से, मार्क और मैं ऐलान करते हैं कि हम अलग हो गए हैं। यह फैसला आपसी समझ से लिया है। हालांकि हम अच्छे दोस्त रहेंगे। हम दोनों ने फैसला किया है क्योंकि दोनों ही लाइफ में अलग–अलग चीजें चाहते हैं। औप आपसी सहमति से अलग होना ही आगे बढ़ने का अच्छा तरीका है। मोहिनी ने बताया है कि वह और मार्क भले अलग हो रहे हैं लेकिन अपने प्रोजेक्ट्स पर वह एक–दूसरे की मदद करते रहेंगे। हम अभी भी कई प्रोजेक्ट्स पर साथ काम करेंगे। जिसमें मामोही और मोहिनी डे ग्रुप शामिल है। हमें हमेशा साथ मिलकर काम करने पर गर्व है और यह जल्द ही रुकने वाला नहीं है। इस नोट में ये भी लिखा है कि वह दोनों दुनिया में हर किसी के लिए प्यार रहे, इसकी दुआ करते हैं। साथ ही लोगों से मिले सपोर्ट की सराहना करते हैं। उन्होंने ये भी कहा, श्प्लीज इस समय हमारे प्रति थोड़ा पॉजिटिव रहकर और हमारी प्राइवेसी का सम्मान करिए और फैसले का अनादर न करिए।

प्रदीप सिंह की नई भोजपुरी फिल्म सोठउरा खइहे सासुजी का अनोखा ट्रेलर रिलीज

भोजपुरी फिल्म सोठउरा खइहे सासुजी का ट्रेलर रिलीज हो गया है। तीन मिनट और 31 सेकेंड लंबा ट्रेलर काफी मजेदार है। इसे देखकर हंसी भी आती है और यह एक खास मैसेज भी देता है। सोठउरा खइहे सासुजी एक सामाजिक और पारिवारिक फिल्म है। इसमें गौरव झा, ऋचा दीक्षित, अवधेश मिश्रा, देव सिंह, अनीता रावत, निशा सिंह और रोहित सिंह मटरू मुख्य भूमिका में हैं। इस फिल्म के निर्माता प्रदीप सिंह, समीर आफताब और प्रतीक सिंह ने दर्शकों को एक मनोरंजक और सोठउरा खइहे सासुजी की कहानी बेहद मजेदार है। इस तरह की स्टोरी लाइन वाली फिल्में भोजपुरी में कम ही आती हैं, लेकिन फिल्म के निर्देशक राज किशोर प्रसाद (राजू) ने इस फिल्म को ना सिर्फ बखूबी पर्दे पर उतारा है, बल्कि भोजपुरी फिल्ममेकर्स के सामने एक नजीर भी पेश की है। निर्माता प्रदीप सिंह ने ट्रेलर लॉन्च के बाद कहा, श्सोठउरा खइहे सासुजीश सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि हर घर की कहानी है।

द साबरमती रिपोर्ट की 5वें दिन बढ़ी कमाई, तीन राज्यों में टैक्स फ्री

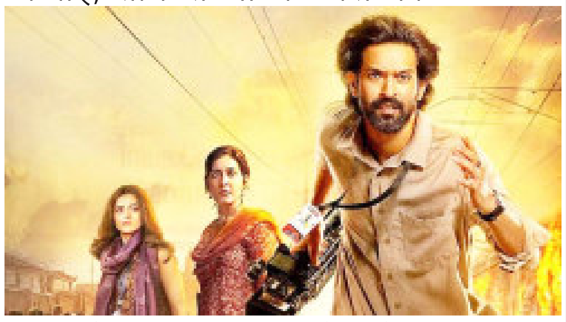

विक्रांत मैसी की द साबरमती रिपोर्ट भले ही बॉक्स ऑफिस पर बंपर कमाई नहीं कर रही हो, लेकिन बीते दो दिनों से फिल्म्म की स्थिति थोड़ी मजबूत हुई है। एक ओर जहां पहले सोमवार को इसने लगभग ओपिनंग डे के बराबर कमाई की थी, वहीं पांचवें दिन भी कमाई में हल्की बढ़ोतरी हुई है। फिल्म को हरियाणा, छत्तीसगढ़ के साथ ही अब मध्य प्रदेश में भी टैक्स फ्री कर दिया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह की तारीफ के बाद राजनीतिक महकमों में भी इसकी चर्चा बढ़ गई है। इन सब का असर फिल्म की कमाई पर भी दिखने लगा है। दूसरी ओर, सूर्या की फ्लॉप हो चुकी कंगुवा की हालत जस की तस बनी हुई है। साल 2002 के गोधरा गांड पर बनी डायरेक्टर धीरज सरना की द साबरमती रिपोर्ट फिलहाल सिनेमाघरों में 12वीं फेल जैसा कारोबार कर रही है। हालांकि, राजकुमार हिरानी की इस फिल्म की कमाई बाद में वर्ड ऑफ माउथ के बूते बहुत अच्छी रही थी। 12वीं फेल से तुलना करें तो 5वें दिन की कमाई के मामले में द साबरमती रिपोर्ट महज 40 लाख रुपये पीछे है। द साबरमती रिपोर्ट ने 1.25 करोड़ रुपये का कारोबार किया है। एक दिन पहले इसने 1.15 करोड़ रुपये कमाए थे। पांच दिनों में देश में फिल्म का टोटल कलेक्शन 8.75 करोड़ रुपये है।

शाहरुख खान के साथ आर्यन और अबराम ने भी जीता दर्शकों का दिल

हॉलीवुड की पॉप्युलर एनिमेटेड फिल्म मुफासाः द लायन किंग का हिंदी ट्रेलर आखिरकार रिलीज हो गया है। भारतीय दर्शकों में भी इस फिल्म को लेकर काफी उत्सुकता है और इस एनिमेटेड फिल्म के हिंदी वर्जन में शाहरुख खान के साथ उनके दोनों बेटों अबराम खान और आर्यन खान की भी आवाजें गूंज रही हैं। इस फिल्म से केवल शाहरुख और उनके बेटे ही नहीं बल्कि कई और सितारे जुड़े हैं। इस ट्रेलर को लोग काफी पसंद कर रहे हैं। श्मुफासाः द लायन किंगश की रिलीज से कुछ हफ्ते पहले इसका ट्रेलर जारी किया गया है। एक मिनट और 56 सेकंड के इस क्लिप में कई शानदार नजारें और मजेदार कहानी है।

मुफासा और सिम्बा के फेमस किरदारों को लेकर उत्साह
बैरी जेनकिंस के डायरेक्शन में बनी ये फिल्म इंडियन दर्शकों के बीच इसलिए भी खूब सुर्खियां बटोर रही है। इंडियन फैन्स के लिए स्पेशल ट्रीट इसलिए भी है कि प्रड्यूसर ने मुफासा और सिम्बा के फेमस किरदारों को आवाज देने के लिए कुछ सबसे बड़े नामों को लेकर आए हैं। इस फिल्म में शाहरुख, आर्यन और अबराम के अलावा रफीकी की आवाज में मकरंद देशपांडे, पुंबा की आवाज में संजय मिश्रा, टिमॉन की आवाज में श्रेयस तलपड़े और ताका को आवाज दी है मियांग चेंग ने।

हिंदी डब वर्जन में शाहरुख खान अपने बेटों के साथ
हिंदी डब वर्जन में शाहरुख खान अपने बेटों आर्यन खान और अबराम के साथ मिलकर मुफासा, सिम्बा और यंग मुफासा के लिए अपनी आवाजें देते हैं। साल 2019 की लाइव–एक्शन श लॉयन किंग की ब्लॉकबस्टर सफलता के बाद, मुफासाः द लॉयन किंग प्रीक्वल और सीक्वल दोनों के रूप में काम करता है। कहानी वहां से शुरू होती है जब रफीकी दो शेरों, मुफासा और ताका की कहानी कियारा को सुनाता है, जो मुफासा की पोती और सिम्बा और नाला की बेटी है।

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

मुफासा और ताका के बीच दोस्ती की शुरुआत
इस नए ट्रेलर में अनाथ मुफासा और ताका के बीच दोस्ती की शुरुआत की झलकियां दिखाई गई हैं, जो एक शेर का बच्चा है और सिंहासन का उत्तराधिकारी बनने वाला है। पहली बार ऐसा हुआ है कि फैन्स शाहरुख, आर्यन और अबराम की आवाज किसी फिल्म में साथ सुन सकेंगे। वहीं इस फिल्म के तेलुगु डब वर्जन में मुफासा की आवाज के रूप में महेश बाबू भी हैं । इसके अलावा तमिल एक्टर अर्जुन दास ने फिल्म के तमिल वर्जन मेंमें मुफासा को आवाज दी है।

मेरे बेटे आर्यन और अबराम इस जर्नी का हिस्सा हैं
इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, अपनी इस फिल्म को लेकर शाहरुख ने कहा है कि इस फिल्म में मुफासा के बचपन से लेकर उसके एक शानदार राजा बनने तक के जीवन को दिखाया गया है और इस किरदार को फिर से निभाना असाधारण रहा है। उन्होंने कहा कि डिज्नी के साथ यह मेरे लिए एक खास सहयोग है, खास तौर पर इसलिए क्योंकि मेरे बेटे आर्यन और अबराम इस जर्नी का हिस्सा हैं । बता दें कि मुफासाः द लॉयन किंग 20 दिसंबर को हिन्दी, इंग्लिश, तमिल और तेलुगू में रिलीज हो रहा है।

विग्नेश शिवन को नयनतारा से प्यार की चुकानी पड़ रही कीमत

ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई डॉक्यूमेंट्री में जहां नयनतारा ने अपने करियर और पर्सनल लाइफ को लेकर कई बातें बताईं, वहीं पति विग्नेश शिवन एक खुलासा करके भावुक हो गए।

साउथ फिल्मों की लेडी सुपरस्टार नयनतारा इस वक्त अपनी डॉक्यूमेंट्री नयनतारा– बियॉन्ड ए फेरीटेल को लेकर चर्चा में हैं, जो रिलीज हो चुकी है। विग्नेश शिवन बताया कि नयनतारा को डेट करने पर उन्हें किस हद तक ट्रोल किया गया। लोगों ने उनकी तुलना कुत्ते से भी कर डाली थी। नयनतारा ने बताया कि जब लोगों को पता चला कि वह विग्नेश शिवन को डेट कर रहे हैं, तो उनकी छीछालेदर करने और ट्रोलिंग में कोई कसर बाकी नहीं छोड़ी। वह लोगों का रिएक्शन देख हैरान थे।

विग्नेश शिवन भावुक, बोले- कुत्ते से तुलना की गई
विग्नेश शिवन ने भावुक होते हुए कहा, पहला जो फेमस मीम आया था मेरे पास वो था– अगर खूबसूरती एक जानवर को चुनती है तो इसे कोई नहीं रोक सकता। मेरी तुलना कुत्ते से की गई। उन्होंने लिखा कि नागोर की नागूर बिरयानी एक कुत्ते को दी जा रही थी। मीम में हम दोनों की तस्वीरें थीं।

खूबसूरती बीस्ट को चुनती है तो क्या गलत है?
विग्नेश शिवन ने आगे कहा, श्आखिर एक जानवर या बीस्ट को खूबसूरती क्यों नहीं मिल सकती? अगर खूबसूरती किसी जानवर को चुनती है तो इसमें गलत क्या है? आजकल जिंदगी ऐसी है कि एक बस कंडक्टर सुपरस्टार बन सकता है। जिंदगी में एक खास मुकाम तक पहुंचना इतनी आसानी से नहीं होता।

हर महीने, हर हफ्ते चुका रहे कीमत
विग्नेश शिवन ने कहा कि उन्हें और नयनतारा को अपने प्यार की कीमत चुकानी पड़ी। वह बोले, श्आपको इसकी कीमत चुकानी पड़ती है। और हमें कभी महीने में तो कभी हर हफ्ते यह कीमत चुकानी पड़ती है। इससे विग्नेश का इशारा नयनतारा को डेट करने पर होने वाली ट्रोलिंग की तरफ था।

नयनतारा को इस बात का पछतावा
नयनतारा ने कहा, कभी–कभी मुझे पछतावा होता है कि अगर मैं इनकी (विग्नेश शिवन) की जिंदगी में नहीं होती, तो इनकी लाइफ आसान होती। शायद और बेहतर होती है और ये खुश रहते।

फेफड़ों को रखना है साफ तो पंसारी से खरीद लें जड़ी बूटी

दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण का लेवल लगातार बढ़ रहा है। इससे लोगों को सेहत खराब हो रही है। सबसे ज्यादा बुरा असर फेफड़ों पर पड़ रहा है। आयुर्वेद डॉक्टर ने फेफड़ों को सफ करने के लिए कुछ जड़ी बूटियां बताई है।

हल्दी
हल्दी अपने पावरफुल एंटी इंफ्लेमेटरी और एंटीऑक्सीडेंट गुणों के लिए जानी जाती है। हल्दी में मौजूद सक्रिय यौगिक करक्यूमिन का श्वसन विकारों के लिए फायदेमंद है। करक्यूमिन वायुमार्ग की सूजन और ऑक्सीडेटिव तनाव को कम करके अस्थमा, ब्रोंकाइटिस और अन्य श्वसन विकारों के लक्षणों को कम करने में मदद कर सकता है।

तुलसी के पत्ते
तुलसी में मौजूद फाइटोकेमिकल्स में शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट और एंटी इंफ्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं, जो श्वसन मार्ग में सूजन को कम करने और बलगम को साफ करने में मदद करते हैं। तुलसी का सेवन फेफड़ों को डिटॉक्सीफाई करने और सांस लेने में आसानी को बढ़ावा देने में सहायक हो सकता है। आप तुलसी की पत्तियों का सेवन सीधे तौर पर या फिर चाय के रूप में कर सकते हैं।

मुलेठीः मुलेठी को आयुर्वेद में यष्टिमधु के नाम से जाना जाता है। इसका उपयोग सदियों से श्वसन संबंधी बीमारियों को दूर करने के लिए किया जाता रहा है। मुलेठी में मौजूद यौगिकों में एक्सपेक्टोरेंट गुण होते हैं, जो श्वसन तंत्र से बलगम को बाहर निकालने में मदद करते हैं।

पीपलीः पीपली भले ही पश्चिम में उतनी जानी–मानी जड़ी बूटी नहीं है, लेकिन आयुर्वेद में इसे उसके श्वसन लाभों के लिए सदियों से सराहा जाता रहा है। पीपली में मौजूद बायोएक्टिव यौगिकों में ब्रोन्कोडायलेटर प्रभाव होते हैं, जो वायुमार्ग को आराम देने और सांस लेने की क्षमता में सुधार करने में मदद करते हैं।

अदरकः अदरक अपने पावरफुल एंटी इंफ्लेमेटरी और एंटीमाइक्रोबियल गुणों के कारण फेफड़ों के स्वास्थ्य के लिए एक मूल्यवान जड़ी बूटी है।अदरक का अर्क श्वसन संक्रमण से बचाव करता है और वायुमार्ग में सूजन को कम करने में मदद करता है। आप अदरक को अपने खाने, चाय या हर्बल फॉर्मूलेशन में शामिल कर सकते हैं।

वसाकाः वसाका में मौजूद एल्कलॉइड्स में ब्रोन्कोडायलेटर और एक्सपेक्टोरेंट प्रभाव पाए जाते हैं, जो खांसी से राहत दिलाने, कफ को बाहर निकालने और फेफड़ों के कामकाज को बेहतर बनाने में मदद करते हैं। ब्रोंकाइटिस और अस्थमा जैसी श्वसन स्थितियों के इलाज में वसाका काफी असरदार साबित हो सकता है।

दूध के साथ 2 चीज लेने से एक–एक हड्डी बनेगी फौलादी

बाबा रामदेव ने गाय के दूध के साथ कुछ चीजें भी लेने की सलाह दी है। इनके अंदर हरड़, पिप्पली, मुलेठी, सौंफ, लाक्षादि गुग्गुल और च्यवनप्राश शामिल हैं। इसमें से हर एक चीज शरीर को अलग–अलग फायदे देती है। आइए जानते हैं कि बाबा रामदेव ने हड्डियों को फौलादी बनाने का क्या उपाय बताया है। बाबा रामदेव ने कहा कि गाय के दूध में हल्दी उबालकर पीएं और साथ में लाक्षादि गुग्गुल का सेवन करें। इस उपाय से हड्डियां फौलादी हो जाएंगी। जिन लोगों को ऑस्टियोपोरोसिस, ऑस्टियोपेनिया जैसी बोन डिजीज हैं, उन्हें इससे काफी फायदा मिलेगा। ठंड के मौसम में सर्दी–खांसी की दिक्कत काफी होती है। इसके इलाज और बचाव के लिए उबले हुए गाय के दूध के साथ च्यवनप्राश लें। यह उपाय गले की खराब के साथ पेट की खराब तक छुटकारा दिलाता है। इसे पीने से भूख सही रहती है और पाइल्स, फिशर व फिस्टुला से बचाव होगा। उन्होंने कहा कि दूध भी जल्दी हजम होगा। अगर आपको कब्ज की समस्या है और उसमें आराम नहीं मिल रहा है तो गाय के दूध में हरड़ मिलाकर पीएं। इसके लिए हरड़ को कद्दूकस से कस लें और दूध के साथ उबालें। रामदेव के मुताबिक एक व्यक्ति के लिए 2–3 ग्राम हरड़ पर्याप्त है। ठंड में कफ जमने की समस्या बढ़ जाती है। यह खांसी, इंफेक्शन का कारण बन सकती है। इसे दूर करने के लिए गाय के दूध में मुलेठी उबालकर पीएं।

65 की उम्र में भी कंट्रोल रहेगी डायबिटीज, नहीं बढ़ने देंगे ब्लड शुगर लेवल

मधुमेह (डायबिटीज) ऐसा रोग है जो किसी भी उम्र में लोगों को अपना शिकार बना सकता है लेकिन 65 साल और अधिक उम्र के लोगों को इसका खतरा ज्यादा होता है और आबादी का यह वर्ग अधिक जोखिमग्रस्त भी होता है। अक्सर लाइफस्टाइल और हेल्थ फैक्टर्स की वजह से इस रोग को पकड़ना मुश्किल होता है। हाल के एक अध्ययन के मुताबिक, 65 साल से अधिक उम्र के 25 प्रतिशत से ज्यादा लोग टाइप 2 डायबिटीज के मरीज हैं। यह भी देखा गया है कि डायबिटीज से ग्रस्त बुजुर्गों में इसकी वजह से जटिलताएं भी बढ़ जाती हैं। उम्रदराज लोगों में क्रोनिक डायबिटीज जैसी कंडीशन कई बार विकलांगता, हृदय रोगों और यहां तक कि समय से पहले मृत्यु का आमंत्रण भी साबित होती है। लेकिन यदि समय पर इसका पता लग जाए तो लाइफस्टाइल में बदलाव और मेडिकल थेरेपी से इसे आसानी से मैनेज किया जा सकता है। बुजुर्गों के मधुमेह रोग का कारगर तरीके से उपचार करने के लिए हर व्यक्ति की सेहत के मुताबिक दवाएं दी जाती हैं। आमतौर पर उन्हें एक्सरसाइज और खास किस्म की डायट लेने की सलाह दी जाती है, जिसके पास ग्लाइसेमिक लक्ष्यों और ग्लूकोज कम करने की थेरेपी तय की जाती है और मरीजों को ओरल एंटी हाइपरग्लाइसेमिक दवाएं दी जाती हैं।

खाते ही किडनी में पत्थर बना सकती है हल्दी, लोग नहीं जानते खतरे

हल्दी के अंदर करक्यूमिन होता है, जिसकी वजह से इसके फायदे मिलते हैं। करक्यूमिन में एंटीइंफ्लामेटरी, एंटीऑक्सीडेंट, एंटीमाइक्रोबियल और न जाने कितने गुण होते हैं। लेकिन शरीर में जरूरत से ज्यादा करक्यूमिन जाने के कई नुकसान भी होते हैं। जो लोग हल्दी या करक्यूमिन सप्लीमेंट लेते हैं, उन्हें इसका खतरा सबसे ज्यादा होता है। इसके बाद खाने में हल्दी का बहुत ज्यादा सेवन करने वालों का नंबर आता है। हल्दी के करक्यूमिन की बायोएवेलिबिलिटी बहुत कम होती है यानी यह शरीर में आसानी से नहीं पचता है। पच न पाने की वजह से शरीर इसे किडनी से होते हुए पेशाब के रास्ते बाहर निकाल देता है। अमेरिकन जर्नल ऑफ फिजियोलॉजी के अनुसार, हल्दी में ऑक्सालेट की मात्रा बहुत ज्यादा होती है, जो कैल्शियम के साथ मिलकर किडनी में पथरी के पत्थर बना सकता है। धीरे–धीरे यह समस्या किडनी और यूरीनरी ट्रैक्ट को खराब कर सकती है। हालांकि एक चीज के साथ इसे खाने से इस खतरे से बचा जा सकता है, जिसके बारे में इस आर्टिकल में आगे जानेंगे। हल्दी का सेवन बाइल और पेट के एसिड के उत्पादन बढ़ाने में मदद करता है।

जाड़े में खाया हुआ कच्चा लहसुन एकसाथ मिटाता है बीमारी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

लहसुन को औषधीय खाद्य पदार्थ माना जाता है। आयुर्वेद कहता है कि इसे खाने से शरीर के रोगों का नाश होता है। साइंस भी मानता है कि लहसुन बीमारियों से लड़ने की शारीरिक क्षमता में बढ़ोतरी करता है। जिसके कारण आप निरोग जीवन जी पाते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि ठंड में लहसुन खाने के फायदे और तरीके क्या हैं? ठंड में लहसुन खाने से कई सारे फायदे मिलते हैं। यह जाड़े में होने वाली बीमारियों से बचाता है। इसका मतलब है कि आपको इन बीमारियों के लक्षण भी नहीं देखने पड़ेंगे। देश के जाने–माने आयुर्वेदिक डॉक्टर अबरार मुल्तानी ने जाड़े में लहसुन खाने का तरीका और फायदे के बारे में जानकारी दी है।

ठंड की बीमारी से बचने के लिए कैसे खाएं लहसुन?
डॉ. अबरार मुल्तानी ने बताया कि ठंड में खाली पेट लहसुन खाना चाहिए। लहसुन की दो कली लेकर अच्छी तरह छील लें, फिर इसे अच्छी तरह चबाकर खाएं। इसके ऊपर से एक गिलास गुनगुना पानी पीएं। इसके कम से कम 30 मिनट बाद तक आपको कुछ नहीं खाना है।

कब्ज का नाश
सर्दी में पानी कम पीया जाता है और इस वजह से बॉवेल मूवमेंट में गड़बड़ी आ सकती है। खाली पेट लहसुन खाने से कमजोर पड़ी डायजेस्टिव फायर तेज होती है। खाना आराम से पचता है और कब्ज से बचाव होता है। जिन लोगों को पेट साफ करने में काफी वक्त लगता है, उन्हें इसका सेवन जरूर करना चाहिए।

हाई ब्लड प्रेशर
खानपान इतना बेकार हो गया है कि नसों में गंदा कोलेस्ट्रॉल जमने की संभावना काफी ज्यादा है। ठंड में इनका ब्लड फ्लो बाधित हो सकता है और हाई ब्लड प्रेशर की समस्या हो सकती है। लहसुन का सेवन नसों कोरिलैक्स करता है, गंदा कोलेस्ट्रॉल कम करता है और खून को पतला करने में मदद करता है। जिससे हाई ब्लड प्रेशर के मरीजों को राहत मिलती है।

सर्दी–जुकाम का उपाय
लहसुन में इम्यूनिटी बढ़ाने वाले गुण होते हैं। जिसकी वजह से सर्दी–जुकाम करने वाले वायरस और बैक्टीरिया का खात्मा होता है। इम्यून सिस्टम वायरस और बैक्टीरिया को नुकसान पहुंचाने से पहले ही मार देता है। अगर नुकसान होता भी है तो काफी कम होता है।

ठंड की थकान और कमजोरी
सर्दी में ब्लड फ्लो धीमा हो जाता है, जिसकी वजह से अंदरुनी कमजोरी महसूस होती है। लहसुन ब्लड फ्लो को सुधारता है, जिससे एनर्जी में बढ़ोतरी होती है। साइंस भी लहसुन को एथलीट व स्पोर्ट्स परफॉर्मेंस को बेहतर बनाने वाला मानता है।

हड्डियों का दर्द
जिन लोगों की हड्डियां कमजोर होती हैं, उन्हें सर्दी में बोन पेन हो सकता है। आयुर्वेद के अनुसार लहसुन में हड्डियों के लिए फायदेमंद गुण होते हैं। यह महिलाओं के शरीर में बोन डेंसिटी बढ़ाने वाले हॉर्मोन में बढ़ोतरी करता है।

150 की गति से फेंकता हूं, मीडियम पेसर मत कहो

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) पर्थ। टीम इंडिया के कार्यवाहक कप्तान जसप्रीत बुमराह ने बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी की शुरुआत से पहले हुए प्रेस कॉन्फ्रेंस में एक मजाकिया टिप्पणी से पूरा माहौल हल्का कर दिया। दरअसल, प्रेस कॉन्फ्रेंस में पत्रकार ने सवाल किया कि, एक मध्यम गति के ऑलराउंडर के रूप में भारत की कप्तानी करना कैसा लगता है? खुद को मीडियम पेसर कहे जाने पर बुमराह ने मुस्कुराते हुए जवाब दिया, मेरे दोस्त, मैंने 150 की गति से गेंदबाजी की है, आप मुझे तेज गेंदबाज कह सकते हैं। जिसके बाद कमरे में ठहाके गूंजने लगे। बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी श्रृंखला 22–26 नवंबर तक पर्थ में पहले टेस्ट के साथ शुरू होगी, इसके बाद पूरे ऑस्ट्रेलिया में चार और मैच होंगे। नियमित कप्तान रोहित शर्मा की अनुपस्थिति में बुमराह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट में भारत का नेतृत्व करेंगे। उन्होंने अपनी टीम की तैयारियों पर भरोसा जताते हुए कहा कि वे जल्दी पहुंचने के बाद अच्छी तरह से तैयार थे और उनके पास वाका मैदान की परिस्थितियों के अनुकूल ढलने का समय था। जसप्रीत बुमराह ने कहा, मैं कप्तानी को एक पद के तौर पर नहीं देखता। मुझे हमेशा से जिम्मेदारियां उठाना पसंद रहा है। कठिन हालात में काम करना मुझे पसंद है और यह एक नई चुनौती है।

रोहित हमारा कप्तान है

जसप्रीत बुमराह को पता है कि यह जिम्मेदारी एक टेस्ट के लिए ही है, लेकिन इससे इनकार नहीं है कि वह भविष्य में कप्तानी करना चाहेंगे। बुमराह ने कहा, स्वाभाविक है कि रोहित को मैं नहीं बोलूंगा कि मैं कर लेता हूं। वह हमारा कप्तान है और बेहतरीन काम कर रहा है। अभी यह एक मैच के लिए है, लेकिन भविष्य के बारे में कौन जानता है। अगले मैच में हालात बदल सकते हैं और क्रिकेट में ऐसा ही होता है। मैं फिलहाल वर्तमान में जी रहा हूं। मुझे एक जिम्मेदारी मिली है जो मैं पहले भी एक बार उठा चुका हूं और मुझे बहुत मजा आया। मैं यही सोच रहा हूं कि अपनी ओर से सर्वश्रेष्ठ योगदान कैसे दे सकता हूं। भविष्य पर मेरा वश नहीं है।

वो बहुत स्पेशल है, टेस्ट क्रिकेट को बदल डाला

क्रिकेट

राहुल द्रविड़ ने युवा भारतीय क्रिकेटर ऋषभ पंत की जमकर की तारीफ

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। साल 2022 में कार एक्सीडेंट में बुरी तरह चोटिल होने के बाद जिस तरह से पंत ने क्रिकेट के मैदान पर वापसी की, वो वाकई काबिले तारीफ के लायक हैं। पंत ने ये साबित कर दिखाया कि अगर इरादे नेक हो तो आपके सपने कभी अधूरे नहीं रहते। बस फिर क्या होना था दिल से ठान लेने के बाद ऋषभ पंत ने धांसू कमबैक कर हर किसी का दिल जीत लिया। अब विकेटकीपर बल्लेबाज ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी खेलने को भी तैयार हैं।

बता दें कि विदेशी सरजमीं पर पंत का खौफ देखने को मिलता रहते है। गाबा टेस्ट हर किसी के जहन में बसा हुआ है, जब उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई टीम की बखिया उधेड़ी थी। ऐसे में पंत पर्थ टेस्ट में भी बड़ी पारी खेलते हुए नजरआ सकते हैं। पर्थ टेस्ट से पहले भारतीय टीम के पूर्व कोच राहुल द्रविड़ ने उनको लेकर एक बड़ा बयान दिया है।

दरअसल, भारतीय टीम के पूर्व हेड कोच राहुल द्रविड़ ने ऋषभ पंत को स्पेशल क्रिकेटर बताया। द्रविड़ ने इस दौरान कहा कि पंत ने टेस्ट क्रिकेट की रूपरेखा बदल दी। बता दें कि पंत ने 38 टेस्ट मैच खेलते हुए 2693 रन बनाए। इस दौरान उनके बल्ले से 6 शतक और 14 फिफ्टी शामिल रहे।

ईएसपीएनक्रिकइन्फो से बातचीत करते हुए द्रविड़ ने पंत की तारीफ करते हुए कहा कि वह (पंत) एक स्पेशल क्रिकेटर हैं। उन्होंने टेस्ट क्रिकेट को बदलकर रख दिया, जो कि अद्भुत है। एमएस धोनी के जाने के बाद, आपको लगा कि किसी को उनकी जगह आने में समय लग सकता है। मैं यह नहीं कह रहा हूं कि उन्होंने उनकी जगह ले ली है, लेकिन निश्चित रूप से, टेस्ट क्रिकेट में, उनका प्रदर्शन बिल्कुल सनसनीखेज रहा है।

द्रविड़ ने पंत द्वारा गाबा (2020–21) टेस्ट जो कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेला गया था उस पर कहा कि हे भगवान, इसे हराना बहुत मुश्किल है। मुझे लगता है कि ऋषभ का प्रदर्शन अविश्वसनीय था। ब्रिसबेन में टेस्ट मैच में जीत के लिए 89 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए उसे देखना, सब कुछ दांव पर लगा होना, इतनी कमजोर टीम के साथ। उस तरह के दबाव में उस तरह का प्रदर्शन करना, वास्तव में सनसनीखेज है।

आईपीएल में एमआई का पहला मैच नहीं खेलेंगे कप्तान हार्दिक!

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

- हार्दिक पांड्या मुंबई इंडियंस की करेंगे कप्तानी
- हार्दिक की जगह सूर्यकुमार यादव कर सकते है कप्तानी

नई दिल्ली। मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या आईपीएल 2025 में टीम का पहला मैच नहीं खेलेंगे, क्योंकि उन पर पहले से ही एक मैच का बैन लगा है। ऐसे में आईपीएल 2025 में मुंबई इंडियंस के ओपनिंग मैच में हार्दिक की जगह सूर्यकुमार यादव कप्तानी कर सकते हैं। हर कोई इस बात से हैरान है कि अभी तो आईपीएल शुरू भी नहीं हुआ और ना ही ऑक्शन हुआ है तो क्यों हार्दिक पर एक मैच का बैन लगाया गया है और वो भी एडवांस में? तो आइए बताते हैं क्यों हार्दिक पहला मुंबई इंडियंस का मैच नहीं खेल पाएंगे?

दरअसल, हार्दिक पांड्या को मुंबई इंडियंस के लिए गेंदबाजी करते हुए आईपीएल 2024 में आखिरी मैच में स्लो ओवर रेट की वजह से एक मैच का बैन लगा है। आईपीएल द्वारा पिछले सीजन के बाद जारी की गई प्रेस रिलीज के अनुसार, कप्तान हार्दिक पांड्या का आईपीएल की आचार संहिता के तहत यह उनकी टीम का सीजन का तीसरा अपराध था, जिसके बाद पांड्या पर 30 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया और टीम के अगले मैच में खेलने पर प्रतिबंध लगा दिया।

हार्दिक पांड्या के अलावा मुंबई इंडियंस ने आईपीएल 2025 के लिए जसप्रीत बुमराह, रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव और तिलक वर्मा को रिटेन किया। बुमराह मुंबई इंडियंस की रिटेंशन की पहली पसंद रहे, जिन्हें 18 करोड़ रुपये में टीम में बरकरार रखा गया।

सूर्या, रोहित और तिलक को मुंबई इंडियंस ने 16.35 करोड़ रुपये, 16.30 करोड़ और 8 करोड़ क्रमशरू में अपने साथ रखा। मुंबई की टीम के पास अब एक आरटीएम कार्ड बचा है, जिसका वह अनकैप्ड प्लेयर को खरीदने में उपयोग कर सकती है। मुंबई की टीम आईपीएल 2025 ऑक्शन में 45 करोड़ के पर्स के साथ उतरेगी।

मुंबई इंडियंस का आईपीएल 2024 में भी निराशाजनक प्रदर्शन रहा। हार्दिक की कप्तानी में मुंबई की टीम पिछले सीजन 4 ही मैच जीत सकी और 10 मैचों में उसे हार का सामना करना पड़ा। मुंबई की टीम 8 अंक हासिल कर अंक तालिका में आखिरी स्थान पर रही।

पर्थ टेस्ट में दो युवा करेंगे डेब्यू!

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी खेली जानी है, जिसका आगाज 22 नवंबर से होना है। पहला टेस्ट पर्थ में खेला जाना है। इस टेस्ट से पहले कंगारू टीम के कप्तान पैट कमिंस ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान टीम इंडिया को खुला चैलेंज दिया। पैट कमिंस का कहना है कि यह सीरीज इतनी बड़ी है कि खिलाड़ियों का ध्यान जेद्दा में होने वाली आईपीएल की मेगा नीलामी पर नहीं होगा। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कमिंस ने साथ ही कहा कि ये सीरीज काफी टक्कर वाली होगी। दरअसल, ऑस्ट्रेलियाई टीम के कप्तान पैट कमिंस ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के जरिए कहा कि उनकी टीम बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी के लिए तैयार हैं। पर्थ में शुरुआती टेस्ट मैच से पहले प्री–मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस में कमिंस ने कहा कि टीम अच्छी तरह से तैयार है और भारत के खिलाफ यह अच्छी चुनौती होगी।

न्यूज डायरी

आर अश्विन को पहले टेस्ट में 6 विकेट की जरूरत, रच सकते हैं इतिहास

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी का पहला मैच 22 नवंबर से पर्थ में खेला जाएगा। यह दोनों टीमों के लिए एक बड़ी सीरीज है, जिसमें बहुत कुछ दांव पर लगा है। भारत के लिए, उनके पास ऑस्ट्रेलिया में सीरीज जीत की हैट्रिक पूरी करने का एक दुर्लभ मौका है। साथ ही, यहां एक जीत उन्हें विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल की दौड़ में जीवित रखेगी। डब्ल्यूटीसी परिदृश्य ऑस्ट्रेलिया के लिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि हार से उनकी जगह खतरे में पड़ सकती है। ऑस्ट्रेलिया भी भारत के खिलाफ अपनी एक दशक पुरानी हार का सिलसिला खत्म करना चाहेगा। सीरीज से पहले ऑस्ट्रेलिया की स्थिति भारत से कहीं बेहतर है। न्यूजीलैंड से 0–3 की शर्मनाक हार के बाद भारत का आत्मविश्वास कम हुआ है। बल्लेबाजों का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है और गेंदबाजी जसप्रीत बुमराह पर बहुत अधिक निर्भर दिखती है। टीम को पहले टेस्ट में कप्तान रोहित शर्मा और शुभमन गिल की सेवाएं भी नहीं मिलेंगी। रोहित दूसरी बार पिता बने हैं, जबकि गिल चोट के कारण बाहर हो गए हैं। ऐसे में भारत को सीनियर खिलाड़ियों से काफी उम्मीदें होंगी जो अपने अनुभव का इस्तेमाल करके टीम को जीत की ओर ले जा सकते हैं। भारत के लिए एक अहम खिलाड़ी आर अश्विन होंगे। पिछले दौरे पर यह दिग्गज स्पिनर भारत के दूसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज थे और उन्होंने तीन टेस्ट मैचों में 12 विकेट लिए थे। अश्विन आगामी सीरीज में अपने प्रदर्शन को दोहराना चाहेंगे।

जब दुनिया खिलाफ तब गौतम गंभीर के सपोर्ट में खड़ा हुआ ऑस्ट्रेलियाई

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क ने भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर के बहुप्रतीक्षित बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी के प्रति एग्रेसिव अप्रोच का समर्थन किया है। क्लार्क का मानना है कि आक्रामक मानसिकता एक कॉम्पिटिटिव एज देती है। जो आईपीएल जैसी फ्रेंचाइजी लीगों की वजह से कहीं खो सी गई थी। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि खिलाड़ियों को इंटरनेशनल मैचों के दौरान निजी रिश्तों को नहीं बल्कि अपने देश का प्रतिनिधित्व करने को प्राथमिकता देनी चाहिए। सीरीज से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान गौतम गंभीर के तीखे कॉमेंट्स पर फैंस और क्रिकेट एक्सपर्ट्स के मिक्स रिएक्शंस सामने आए थे। उन्होंने रिकी पोंटिंग को लेकर कहा था कि उन्हें ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट के बारे में ज्यादा सोचना चाहिए ना की भारतीय क्रिकेट के बारे में। बता दें कि पोंटिंग ने प्रेस कॉन्फ्रेंस से पहले विराट कोहली और रोहित शर्मा की फॉर्म पर चिंता जाहिर की थी। हालांकि गंभीर के इस बयान के बाद पोंटिंग ने भारतीय हेड कोच को चिड़चिड़ा कहा था। हालांकि, क्लार्क ने गंभीर की अप्रोच की प्रशंसा की, इसे बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी में भारत की हालिया सफलताओं का अहम कारण बताया। उन्होंने कहा कि इस तरह का रवैया पिछली दो सीरीज में भारत की जीत के लिए महत्वपूर्ण था और उन्होंने उम्मीद जताई कि ऑस्ट्रेलिया इसी तरह का रवैया अपनाएगा।

जल्द ही ऑस्ट्रेलिया के लिए उड़ान भर सकते हैं मोहम्मद शमी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। रोहित शर्मा की गैरमौजूदगी में भारतीय टीम के स्टेंड इन कप्तान जसप्रीत बुमराह ने तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी के बारे में एक महत्वपूर्ण अपडेट दिया है। शमी पिछले हफ्ते रणजी ट्रॉफी में वापसी कर क्रिकेट के मैदान में दोबारा लौटे हैं। 2023 विश्व कप के दौरान चोटिल होने के बाद से, शमी भारत के लिए कोई भी मैच नहीं खेल पाए हैं। हालांकि उन्हें बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी के लिए टीम में नहीं चुना गया था। लेकिन वह जल्द ही ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भारतीय टीम का हिस्सा बन सकते हैं। इस मामले पर खुद जसप्रीत बुमराह ने बड़ा बयान दिया है। जसप्रीत बुमराह बुमराह ने शमी की ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भारतीय टीम में वापसी की लगभग पुष्टि कर दी है। उन्होंने उम्मीद जताई है कि स्टार दाएं हाथ के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी जल्द ही टीम में शामिल हो जाएंगे। बुमराह ने कहा कि टीम प्रबंधन उनकी वापसी पर कड़ी नजर रखे हुए है। जसप्रीत बुमराह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में शमी के बारे में पूछने पर कहा, शमी भाई ने क्रिकेट खेलना शुरू कर दिया है और जाहिर है वह इस टीम की अहम कड़ी हैं।

उत्तरा एम्पोरियम एवं आईटीडीए ग्रोथ सेन्टर का भ्रमण करते हुए सीडीओ।

संक्षिप्त समाचार

मुख्य विकास अधिकारी ने उत्तरा एम्पोरियम एवं आईटीडीए ग्रोथ सेन्टर का किया भ्रमण

संवाददाता देहरादून। मुख्य विकास अधिकारी अभिनव शाह ने विकासखण्ड डोईवाला के अन्तर्गत स्थापित उत्तरा एम्पोरियम एवं आईटीडीए ग्रोथ सेन्टर ऋषिकेश का भ्रमण किया। मुख्य विकास अधिकारी ने जनपद देहरादून के अन्तर्गत एनआरएलएम एवं अन्य रेखीय विभागों द्वारा संचालित उत्तरा एम्पोरियम एवं ग्रोथ सेन्टर का निरीक्षण किया गया जिसमें की उत्तरा एम्पोरियम रानीपोखरी, आईटीडीए ग्रोथ सेन्टर ऋषिकेश का भ्रमण एवं निरीक्षण किया गया। उत्तरा एम्पोरियम मुख्य विकास अधिकारी द्वारा निरीक्षण के दौरान सीएलएफ की महिलाओं से वार्ता की गयी जिसमें कि उत्तरा एम्पोरियम में रखे गये उत्पादों के विपणन, उत्पादों की लेबलिंग व ब्राडिंग व विपणन में आ रही समस्याओं पर चर्चा की गयी

अफसर और कर्मचारियों को दिया आपदा प्रबंधन का प्रशिक्षण

संवाददाता देहरादून। डीएम सविन बंसल के निर्देश पर गुरुवार से आपदा प्रबंधन प्राधिकरण एवं राष्ट्रीय आपदा मोचन बल 15वीं वाहिनी झाझरा प्रेम नगर की ओर से नगर निगम में दो दिवसीय आपदा प्रबंधन संबंधी प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें जल संस्थान, जल निगम, पीडब्ल्यूडी, शिक्षा विभाग, कृषि विभाग, राजस्व विभाग, परिवहन विभाग, उद्यान विभाग, नगर पालिका एवं नगर पंचायतों अधिकारी एवं कर्मचारियों ने प्रतिभाग किया।

सेना भर्ती की बदइंतजामी से खुली सरकार का पोलः गरिमा

संवाददाता देहरादून। कांग्रेस प्रदेश कमेटी की मुख्य प्रवक्ता गरिमा मेहरा दसौनी ने कहा कि पिथौरागढ़ में प्रादेशिक सेना भर्ती की बदइंतजामी से राज्य सरकार की पोल खुल चुकी है। उन्होंने कहा कि भर्ती के लिए आए अभ्यर्थियों को वापसी पर वाहन नहीं मिले और उन्हें सर्द मौसम में खुले आसमान के नीचे रात काटनी पड़ी। बेरोजगारों की भीड़ के आगे इंतजाम नाकाफी साबित हो रहे हैं।

भाजपा ने शुरू की नगर निगम व पालिका अध्यक्ष के प्रत्याशियों की तलाश

संवाददाता देहरादून। केदारनाथ उपचुनाव संपन्न होने के बाद भाजपा ने निकाय चुनावों की तैयारी शुरू कर दी है। इसके तहत नगर निगमों के मेयर और नगर पालिका में अध्यक्ष प्रत्याशियों के चयन का काम शुरू किया गया है। गुरुवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट, प्रदेश संगठन महामंत्री अजेय कुमार के साथ ही संगठन के अन्य पदाधिकारियों ने जिलाध्यक्षों के साथ नगर निगम और नगर पालिका अध्यक्ष के संभावित प्रत्याशियों पर चर्चा की। चर्चा के दौरान अलग अलग नामों को लेकर बातचीत की गई।

सौंग बांध परियोजना के लिए विस्थापन जल्द शुरू करेंः सीएम

> आपदा काल में क्षतिग्रस्त मुख्य मार्गों के साथ ही आंतरिक मार्गों को भी प्राथमिकता पर ठीक किया जाए, ताकि लोगों को कोई परेशानी न हो।
> – **पुष्कर सिंह धामी, मुख्यमंत्री**

निर्देश

■ परियोजना से प्रभावित होने वाले परिवारों को सहमति के अनुसार जल्द से जल्द भूमि उपलब्ध कराई जाए

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने सौंग बांध पेयजल परियोजना पर कार्य शुरू करने के लिए विस्थापन की कार्यवाही जल्द शुरू करने के निर्देश दिए। सचिवालय में सौंग बांध परियोजना की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि परियोजना से प्रभावित होने वाले परिवारों को उनकी सहमति के अनुसार जल्द से जल्द भूमि उपलब्ध कराई जाए। विस्थापित होने वाले परिवारों को को सभी बुनियादी सुविधाएं भी मुहैया कराई जाएं। उन्होंने कहा कि प्रभावित परिवारों की सहमति के अनुसार ही सामुदायिक भवन, मंदिर, सड़क एवं अन्य कोई निर्माण करने की आवश्यकता हो तो किए जाएं।

मुख्यमंत्री ने जमरानी बांध परियोजना पर कार्यों में और तेजी लाने के भी निर्देश दिए। बैठक में मुख्य सचिव राधा रतूड़ी, सचिव शैलेश बगोली, विनय शंकर पाण्डेय, एसएन पाण्डेय, डॉ. आर. राजेश कुमार, प्रमुख वन संरक्षक डॉ. धनंजय मोहन, अपर सचिव रणवीर सिंह चौहान, ललित मोहन रयाल, सिंचाई विभाग के मुख्य अभियंता जयपाल सिंह आदि मौजूद रहे।

सिंचाई विभाग और पेयजल विभाग के अधिकारियों ने बैठक में सौंग बांध पेयजल परियोजना के बाबत विस्तार से जानकारी भी दी। इस परियोजना से देहरादून शहर की लगभग 11 लाख आबादी को प्रतिदिन 150 एमएलडी पेयजल मिलेगा। बांध बनने से भूजल के स्तर में भी सुधार होगा। इसके साथ ही बांध के क्षेत्र में आने वाले वाले 10 गांवों की लगभग 15 हजार आबादी की बाढ़ से सुरक्षा भी होगी।

यात्रा प्राधिकरण गठित कर आगामी यात्रा की तैयारी में अभी से जुटें अधिकारी

■ राष्ट्रीय खेल तैयारियों की भी हर सप्ताह समीक्षा करने के निर्देश

संवाददाता देहरादून। चारधाम यात्रा – 2024, के सकुशल सम्पन्न होने के साथ ही प्रदेश सरकार, आगामी चारधाम यात्रा की तैयारी में जुट गई है। चार धाम यात्रा को प्रदेश की आर्थिकी का आधार मानते हुए, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अधिकारियों को यात्रा प्राधिकरण का गठन प्राथमिकता पर करने के साथ ही आगामी यात्रा तैयारियां अभी से शुरू करने को कहा है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि यात्रा को बढ़ावा देने के साथ ही इसे व्यवस्थित करने के लिए यात्रा प्राधिकरण का गठन प्राथमिकता पर किया जाए, इसके लिए सभी हितधारकों की राय ली जाए। साथ ही बाहर से आने वाले तीर्थ यात्रियों और पर्यटकों की सुविधा के लिए पर्यटन विभाग की वेबसाइट को और अधिक बेहतर बनाया जाए, ताकि यात्रा संबंधित सभी जानकारी वेबसाइट पर ही मिल जाए। मुख्यमंत्री ने आगामी चार धाम यात्रा की तैयारी समय पर पूरा करने के लिए अभी से बैठक बुलाते हुए, आवश्यक कार्य करने के निर्देश दिए हैं।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने राष्ट्रीय खेलों की तैयारियों के लिए अलग अलग सचिवों को दायित्व दिए जाने के साथ ही मुख्य सचिव की अध्यक्षता में हर सप्ताह बैठक करने और कार्यवाही करने के भी निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय खेलों का आयोजन, उत्तराखंड के लिए बेहद महत्वपूर्ण है, इसलिए सभी तैयारियां समय रहते पूरी कर ली जाएं।

मत्स्य पालन में उत्तराखंड को मिला सर्वश्रेष्ठ राज्य का पुरस्कार

सम्मान

■ उत्तराखंड के सचिव पशुपालन, मत्स्य विभाग डॉ बीवीआरसी पुरुषोत्तम को सौंपा गया पुरस्कार

संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड में मत्स्य पालन के क्षेत्र में किए गए अभिनव प्रयोगों के लिए राष्ट्रीय मत्स्य विकास बोर्ड हैदराबाद की ओर से, उत्तराखंड को हिमायली और उत्तर पूर्व के राज्यों की श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ राज्य का पुरस्कार प्रदान किया गया है।

गुरुवार को विश्व मत्स्य पालन दिवस पर नई दिल्ली में आयोजित समारोह में केंद्रीय मत्स्य, पशुपालन, डेयरी, पंचायतीराज राज्यमंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ लल्लन सिंह द्वारा, उत्तराखंड के सचिव पशुपालन, मत्स्य विभाग डॉ बीवीआरसी पुरुषोत्तम को यह पुरस्कार सौंपा गया।

उत्तराखंड मत्स्य पालन विभाग ट्राउट फार्मिंग के लिए राज्य में 1400 से अधिक ट्राउट रेसवेज का निर्माण कर चुका है, साथ ही मत्स्य सम्पदा योजना के तहत उधमसिंह नगर में राज्य स्तरीय एक्वापार्क और एक होल सेल मार्केट का भी निर्माण किया जा चुका है। यही नहीं विभाग ने स्थानीय मत्स्य पालकों के समूहों और आईटीबीपी के बीच भी मछली आपूर्ति के लिए अनुबंध किया है। इन सब प्रयोग से उत्तराखंड में मछली पालकों की आय बढ़ने की उम्मीद है। इन्हीं प्रयोगों के चलते बोर्ड ने उत्तराखंड को इस पुरस्कार के लिए चुना है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पुरस्कार पर विभाग ओर मत्स्य पालकों को बधाई देते हुए कहा कि सरकार किसानों और पशुपालकों की आय बढ़ाने के लिए निरंतर कई प्रयास कर रही है। इसके परिणाम अब नजर आने लगे हैं।

यात्रा और पर्यटन बना महिला समूहों की आर्थिकी का आधार

संवाददाता देहरादून। चारधाम यात्रा और पर्यटन गतिविधियां, महिला स्वयं सहायता समूहों की आर्थिकी का आधार बनते जा रहे हैं। इस वित्तीय वर्ष में अक्टूबर माह तक महिला समूहों ने यात्रा मार्ग और प्रमुख पर्यटन केंद्रों पर खुले यात्रा आउटलेट्स के जरिए कुल 91.75 लाख की बिक्री करते हुए, 29.7 लाख का शुद्ध लाभ अर्जित किया है। ग्राम्य विकास विभाग के अधीन संचालित उत्तराखंड राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा श्रद्धालुओं और पर्यटकों को उत्तराखंड की समृद्ध परंपरा और संस्कृति से परिचित कराने के साथ ही ग्रामीण महिलाओं की आर्थिक में सुधार के लिए प्रमुख धार्मिक और पर्यटन स्थलों पर 110 यात्रा आउटलेट्स स्थापित किए गए हैं। सचिव ग्राम्य विकास राधिका झा के मुताबिक, यात्रा आउटलेट्स पर हस्तनिर्मित ऊनी वस्त्र, पहाड़ी मसाले, जैविक अचार, स्मृति चिन्ह, मिलेट–आधारित खाद्य पदार्थ बिक्री के लिए उपलब्ध रहते हैं। यात्रा आउटलेट्सश् हिलाओं को आत्मनिर्भर बनने में कारगर साबित हुए हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक
प्रदीप चौधरी
द्वारा
एल.के प्रिटर्स,74/9,आराघर,देहरादून
से मुद्रित
व जाखन जोहड़ी रोड,
पी.ओ–राजपुर, देहरादून से प्रकाशित।
संपादकः प्रदीप चौधरी

सिटी कार्यालयः
शिवम् मार्केट, द्वितीय तल
दर्शनलाल चौक, देहरादून।

(M) 9319700701
pagethreedaily@gmail.com
आर.एन.आई.नं0
UTTHIN\2005\15735
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र देहरादून ही मान्य होगा।